संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 48
पृष्ठ 8
बुधवार
05 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नाश्ते में मैगी खा लें लेकिन भूलकर...

विचार- आशियान समिट में गूंजी कुंभ ...

खेल- जिस बीबीएल में खेलने के लिए...

जीत को लेकर मेरे मन में कोई सवाल नहीं

मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम में पीएम ने कहा-

पटना,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत बिहार की महिला कार्यकर्ता से संवाद कर रहे हैं। पीएम से बात करते हुए एक महिला ने कहा, बिहार में चुनाव है। लोकतंत्र के इस पर्व को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह है। इसपर पीएम मोदी ने कहा, मैंने इस चुनाव को बेहद करीब से देखा है और एक बात मैं कह सकता हूं कि एनडीए इस चुनाव में भारी बहुमत से जीत रही है। मुझे एनडीए की जीत पर कोई संदेह नहीं है। उन्होंने कहा, बिहार में एनडीए नेताओं की रैलियां रोज रिकॉर्ड तोड़ रही हैं। सभा मंडल बहनों–बेटियों के नारों से गूंज उठता है। बिहार की महिला कार्यकर्ता मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत बहुत अच्छा काम कर

रही हैं। मैंने आज सोचा कि सीधे आप से बात कर के चीजों को समझने की कोशिश करता हूं।

बेगूसराय से महिला मोर्चा की अध्यक्ष डॉक्टर रेखा ने बताया, मैं होम्योपैथ डॉक्टर हूं। महिलाओं और पुरुषों में बहुत उत्साह है। महिलाएं इस बार पुरुषों से ज्यादा मतदान करेंगी।

महिलाएं कहती हैं– डबल इंजन की सरकार ने हमारा जीवन बदल दिया है। मैं बहुत महिलाओं से मुलाकात की है। वो हमारी योजनाओं के बारे में बताती हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, इस चुनाव में मुझे जहां–जहां जाने का मौका मिला और जब जब कार्यकर्ताओं से बात करने का अवसर मिला, मैंने देखा इस बार बिहार का कार्यकर्ता जी–जीन से जुटा हुआ है। आप सभी बहुत परिश्रम कर रहे हैं। हर रैली पहले वाली रैली की रिकॉर्ड तोड़ रही है और उसमें भी हमारी बहनें–बेटियां बहुत बड़ी संख्या में आ रही हैं। उन्होंने कहा, बिहार भाजपा की महिला कार्यकर्ताएं मेरा बूथ, सबसे मजबूत संकल्प के साथ बहुत शानदार काम रही हैं।

पीएम ने कहा, इस चुनाव में ये पक्का हो चुका है कि एनडीए की भारी बहुमत से विजय हो रही है। आज बिहार में जो विकास हो रहा है, वो गरीब, दलित, महादलित, पिछड़ा, अति–पिछड़ा, सभी के मन में बस गया है। बिहार के लोग मन बना चुके हैं कि इस बार छक। की जीत, पिछले 20 साल का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। वही जंगलराज वालों को अब तक की सबसे करारी हार मिलेगी। बिहार का विकास एनडीए ही कर सकती है।

भारत तेजी से बढ़ती विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था : राष्ट्रपति मुर्मु

नैनीताल, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था विश्व में तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और यह निरंतर प्रगति करे, इसके लिए केन्द्र सरकार कई नीतिगत कदम उठा रही है। श्रीमती मुर्मु ने कुमाऊं विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मंगलवार को कहा कि सरकार के कदमों से युवाओं के लिये भी अनेक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि इन अवसरों का लाभ उठायें। उन्होंने कहा कि देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध, नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के साथ ही युवाओं के प्रशिक्षण के लिये भी समुचित कदम उठाये जाने चाहिए, ताकि युवा उनका भरपूर उपयोग कर सकें। राष्ट्रपति ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा से कमाये धन को वंचित वर्ग और देश की सेवा के लिये दान करना चाहिए। यही सच्चा धर्म है। उन्होंने कहा, "अन्न दानं परम दानं, विद्या दानमतः परम्। अन्नेन क्षणिका तृप्तिः यावज्जीवं च विद्यया।। अर्थात् विद्या दान अन्न दान से श्रेष्ठ दान है और उससे जीवन भर परम संतुष्टि मिलती है।" उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी देश की आधारशिला होती है। इसलिये शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जिससे बौद्धिकता के साथ नैतिक बल और चरित्र बल मजबूत हो। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सरकार को भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये देश के युवाओं की संकल्पशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिये विकसित राष्ट्र बनाने में अपना योगदान दें।

नौसेना वाले सैटेलाइट की सफल लॉन्चिंग, इसरो ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। इसरो ने एक बार फिर से इतिहास रच दिया है। इस बार इसरो ने भारतीय नौसेना के लिए सीएमएस03 सेटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च कर यह कीर्तिमान रचा है। अब नौसेना बेहतर संचार कर सकेगी और दुश्मन के इलाकों पर नजर रख पाएगी। आपको बता दें कि यह भारत का सबसे भारी सेटेलाइट है जिसे इसरो ने अपने बाहुबली रॉकेट एलवीउ35 से लॉन्च किया। देसी तकनीक से बनाई यह सैटेलाइट नौसेना के जहाजों, विमानों और पनडुब्बियों को बेहतर ढंग से जोड़ने का काम करेगी। भारतीय नौसेना का यह सीएमएस 03 सैटेलाइट जिसे ळै87त के नाम से भी जाना जाता है। एक कम्युनिकेशन सैटेलाइट है। यह सैटेलाइट नौसेना का अब तक का सबसे एडवांस सैटेलाइट है। स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित उपग्रह को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया। इसरो के अनुसार, सीएमएस–03 बहु–बैंड संचार उपग्रह है और यह भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस प्रक्षेपण को देश की आत्मनिर्भरता की भावना का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, भारत के सबसे उन्नत संचार उपग्रह सीएमएस–03 के सफल प्रक्षेपण पर इसरो को बधाई। यह हमारे देश की आत्मनिर्भरता और अत्याधुनिक नवाचार की भावना का एक प्रमुख उदाहरण है। तकनीकी उत्कृष्टता के लिए इसरो की निरंतर खोज भारत को गौरवान्वित करती है। नौसेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में मजबूत दूरसंचार कवरेज प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इसके पेलोड में ऐसे ट्रांसपोंडर शामिल हैं जो विभिन्न संचार बैंड पर आवाज, डेटा और वीडियो लिंक का समर्थन करने में सक्षम हैं।

अमेरिकी सीनेट में पेश हायर विधेयक भारत के लिए चिंताजनक : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि अमेरिकी सीनेट में हायर विधेयक पेश किया गया है जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका हो सकता है, इसलिए हमारी सरकार को इसकी चुनौतियों से निपटने की रणनीति पर विचार करना चाहिए।कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने मंगलवार को यहां एक बयान में कहा कि अमेरिकी सीनेट में सोमवार को ओहायो के सीनेटर बर्नी मोरेनो ने अंतरराष्ट्रीय रोजगार स्थानांतरण अधिनियम को रोकने वाला हाल्टिंग इंटरनेशनल रीलोकेशन

ऑफ़ एंप्लॉयमेंट एक्ट, जिसे सरल भाषा में हायर विधेयक कहा जा सकता है, को सदन में पेश किया है और यदि विधेयक पारित होता है तो भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका गहरा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस विधेयक को सीनेट की वित्त समिति के पास भेजा गया है। इसमें उन सभी अमेरिकी व्यक्तियों और कंपनियों पर 25 प्रतिशत टैक्स लगाने का प्रावधान है, जो विदेशी कंपनियों या व्यक्तियों को ऐसे काम के लिए भुगतान करते हैं, जिसका प्रत्यक्ष लाभ अमेरिकी उपभोक्ताओं को मिलता है। इस विधेयक को आउटसोर्सिंग भुगतान की नयी परिभाषा के रूप में पेश किया गया है। श्री रमेश के अनुसार विशेषज्ञ मानते हैं कि यह विधेयक भारत के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेक्टर, बीपीओ, कंसल्टिंग सेवाओं और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। भारत ही नहीं आयरलैंड, इज़रायल और फ़िलीपीन्स जैसे देशों को भी इससे नुकसान हो सकता है, लेकिन इसका सबसे बड़ा असर भारत के सेवा निर्यात उद्योग पर पड़ने की आशंका जतायी जा रही है, जो पिछले 25 वर्षों से हमारी अर्थव्यवस्था का सबसे मजबूत स्तंभ रहा है। विधेयक पर चिंता व्यक्त करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि यह कदम अमेरिका में बढ़ती उस सोच को दर्शाता है, जिसके अनुसार ब्लू–कॉलर नौकरियां चीन को 'खो' दी गयीं और अब व्हाइट–कॉलर नौकरियां भारत को नहीं सौंपनी चाहिए।

समस्तीपुर में यूपी के सीएम की चुनावी रैली, बोले-

कांग्रेस-राजद बिहार के विकास के लिए ग्रहण

समस्तीपुर,एजेंसी। दरभंगा में रोड शो के बाद यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ समस्तीपुर पहुंचे। मोहिउद्दीन नगर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी रैली को संबोधित किया। आम जनता से भाजपा प्रत्याशी राजेश कुमार सिंह के लिए वोटिंग की अपील की। करीब 20 मिनट के भाषण में 20 बार भगवान श्री राम और जय हनुमान के नारे लगाए। हाई स्कूल मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, यूपी का बुलडोजर अब बिहार में भी काम करेगा। माफिया को रौंद देंगे। इनके घर पर बुलडोजर चलाकर गरीबों के लिए पक्के मकान बना देंगे। हम तो सोच रहे हैं कि मोहिनउद्दीन का नाम बदलकर मोहन नगर रख देंगे। इतिहास की कोई ऐसी चीजें नहीं रखनी जो गलत है। इससे पहले भी हमने इस तरह के कई नाम बदले हैं। यूपी वाला बुलडोजर बिहार में भी चलेगा। बिहार में एनडीए की सरकार बनवाइए फिर देखिए इनका क्या हाल करते हैं। कांग्रेस–राजद बिहार के विकास के लिए ग्रहण हैं। ये लोग अपराधियों के साथ खड़े रहते हैं। यही अंतर है आरजेडी– कांग्रेस और एनडीए

में। हम विकास और सुशासन की बात करते हैं। ये लोग अपहरण को उद्योग बनाते हैं। माफिया को शागिर्द बनाते हैं। इसलिए हम इनकी छाती में बुलडोजर चलाते हैं। सीएम योगी ने आगे कहा कि कांग्रेस–आरजेडी और विपक्ष के नेता कभी देश में राम मंदिर नहीं बनवा सकते थे। ये तो इसके विरोधी हैं। आज अयोध्या में राम मंदिर बनकर खड़ा हो गया है। रामलला अगर अयोध्या में रहेंगे तो सीतामढ़ी में भी मां जानकी भी विराजमान होंगी। ये अच्छी सरकार चुनने का फायदा होता है। पहले की सरकार में गरीब बीमार होता था तो तड़प–तड़पकर मरता था। इलाज के लिए पैसे नहीं होते थे। आज भारत के 50 करोड़ लोगों का 5 लाख का बीमा है। 70 साल से ऊपर का कोई भी व्यक्ति अपना इलाज करवा सकता है। राजग की पहचान ही गरीबों का कल्याण है। भारतीय जनता पार्टी दक्षिणी के जिलाध्यक्ष शशिधर ने बताया कि योगी आदित्यनाथ की चुनावी सभा मोहिउद्दीन नगर हाई स्कूल मैदान में रखी गई है। सभा के दौरान वह भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राजेश कुमार सिंह के लिए वोट की अपील करेंगे। राजेश कुमार सिंह वर्तमान में विधायक हैं। दूसरी बार इस क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर अपना किस्मत आजमा रहे हैं। उनका सीधा मुकाबला राष्ट्रीय जनता दल के अजय यादव से है। जबकि भाजपा से अलग होकर राज कपूर सिंह जन सुराज से चुनावी मैदान में हैं।

मणिपुर में सुरक्षा बलों का बड़ा एक्शन, यूकेएनए के 4 उग्रवादी मुठभेड़ में ढेर

मणिपुर, एजेंसी। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में मंगलवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए), एक प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन, जो किसी भी संघर्ष विराम समझौते का हिस्सा नहीं है, के कम से कम चार सदस्य मारे गए। पुलिस के अनुसार, यह मुठभेड़ चुराचांदपुर जिले के हेंगलेप उप–मंडल के खानपी गाँव में हुई। सशस्त्र उग्रवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने पर, सुरक्षा बलों ने मंगलवार सुबह लगभग 5:30 बजे एक अभियान शुरू किया। इस गोलीबारी के दौरान, प्रतिबंधित यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) के चार उग्रवादी मारे गए। यह समूह केंद्र सरकार, मणिपुर राज्य के अधिकारियों और कई कुकी–ज़ोमी उग्रवादी समूहों के बीच हुए ऑपरेशन सस्पेंशन (एसओओ) समझौते का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है। गोलीबारी के दौरान, प्रतिबंधित यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) के चार उग्रवादी मारे गए। यह समूह केंद्र सरकार, मणिपुर राज्य के अधिकारियों और कई कुकी–ज़ोमी उग्रवादी समूहों के बीच हुए ऑपरेशन निलंबन (एसओओ) समझौते का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है।

ममता ने एसआईआर के खिलाफ किया शक्ति प्रदर्शन, भाजपा बोली – यह जमात की रैली

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंगलवार को कोलकाता की सड़कों पर उतरीं और मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ एक विशाल रैली का नेतृत्व किया। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि यह पुनरीक्षण अभियान भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा चुनाव आयोग के साथ मिलीभगत से चलाया जा रहा है। बनर्जी अपने भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के साथ शहर के बीचों–बीच हज़ारों समर्थकों के साथ निकलीं। 3.

8 किलोमीटर लंबा यह मार्च रेड रोड स्थित बीआर अंबेडकर की प्रतिमा से शुरू होकर रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक निवास, जोड़ासांको ठाकुर बाड़ी तक गया, जहाँ इसका समापन होना था। रास्ते में सड़कें टीएमसी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से भरी हुई थीं, जो पार्टी के झंडे लहरा रहे थे, नारे लगा रहे थे और एसआईआर प्रक्रिया की निंदा करते हुए चमकीले तख्तियाँ लिए हुए थे। अपनी जानी–पहचानी सफ़ेद सूती साड़ी और चप्पल पहने, मुख्यमंत्री जुलूस में सबसे आगे चल रही थीं, और बीच–बीच में रुककर उन निवासियों का अभिवादन कर रही थीं जो बालकनी से बाहर निकलकर या सड़क किनारे खड़े होकर उनकी एक झलक पाने की कोशिश कर रहे थे। अभिषेक बनर्जी उनके ठीक पीछे चल रहे थे और वरिष्ठ मंत्रियों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ जयकार कर रही भीड़ का अभिवादन कर रहे थे।

प्रयागराज में किन्नरों ने तलवारें लहराईं, ममता कुलकर्णी से नाराज टीना मां ने नया अखाड़ा बनाया

प्रयागराज (संवाददाता)। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर टीना मां अब श्सनातनी किन्नर अखाड़ेश की आचार्य महामंडलेश्वर बन गईं हैं। चर्चा है कि ममता कुलकर्णी के किन्नर अखाड़े में

महामंडलेश्वर बनाए जाने के बाद से वह नाराज चल रही थीं। प्रयागराज में पट्ध्टाभिषेक से पहले टीना मां संगम से जल लेकर पहुंचीं। बैरहना स्थित आश्रम में गुरु अंजलि ने उनका पट्टाभिषेक कराया। इसके बाद टीना मां ने सनातनी किन्नर अखाड़े के नए ध्वज को फहराया। टीना मां के पट्टाभिषेक के बीच 51 ब्राह्मणों ने मंत्रोच्चार किया। इस दौरान काशी से 20 से अधिक डमरू वादक भी पहुंचे। बैंडबाजों की धुन पर किन्नरों ने जमकर डांस किया। हाथों में तलवार–त्रिशूल लेकर किन्नरों ने करतब भी दिखाया। टीना मां ने पट्टाभिषेक के बाद संजनानंद गिरी को महामंडलेश्वर और संध्यानंद गिरी को श्रीमहंत बनाने की घोषणा की। महाकुंभ में सबसे ज्यादा चर्चा में रहे किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर टीना मां ने सोमवार को पद से इस्तीफा दिया था। उन्होंने कहा था कि किन्नर अखाड़ा उस रास्ते से भटक गया, जिसके लिए यह बनाया गया था। इसी वजह से मैं वहां से निकल गई। अब हमने नया श्सनातनी किन्नर अखाड़ाश बनाया है। टीना मां ने सोमवार को कहा– हम अपने नए अखाड़े के जरिए सनातन को और मजबूत करेंगे। इससे सनातन धर्म का और विस्तार करेंगे। इसके लिए अगर हमें अपनी जान की आहुति भी देनी पड़ी तो भी हम पीछे नहीं हटेंगे।

प्रयागराज में तमंचे से फायरिंग का वीडियो, गली में बैठकर कर रहे थे असलहे की टेस्टिंग, 4 गिरफ्तार

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के मुट्ठीगंज में गली में बैठकर असलहे की टेस्टिंग के लिए फायरिंग कर कुछ युवकों ने सनसनी फैला दी। घटना का वीडियो सामने आने के बाद इसमें

दिख रहे चार युवक गिरफ्तार कर लिए गए हैं। उनके दो अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। 2 नवंबर को सोशल मीडिया एक्स पर ंअप ीनासं नामक यूजर ने हर्ष फायरिंग का वीडियो पोस्ट किया। मुट्ध्ठीगंज थाने के एसआई अभिषेक वर्मा ने जांच में पाया कि वीडियो पुराना है और इसमें विमल पांडा, रजत जायसवाल, अभिषेक धुरिया सहित कुछ अन्य युवक विमल के घर के पास असलहे से फायरिंग करते दिखाई दिए। वीडियो की पुष्टि के बाद थाना मुठ्ठीगंज में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। इसके बाद पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए फायरिंग करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें नितिन साहू उर्फ हिमांशू साहू, अभिषेक धुरिया, रोहित साहू, लल्ले धुरिया शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, यह वही युवक हैं जो फायरिंग की घटना में शामिल थे। पुराना वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

देव दीपावली कल, संगम तट पर गीली मिट्टी से चुनौती

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में देव दीपावली की तैयारियां जोरों पर हैं, लेकिन हालिया बाढ़ के कारण संगम तट पर गीली मिट्टी प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। बुधवार, 5 नवंबर की शाम को संगम तट पर 5 लाख 30 हजार दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। वर्तमान में घाटों के समतलीकरण और सफाई कार्य में तेजी लाई जा रही है। नगर निगम और प्रशासनिक अमला लगातार घाटों पर डटा हुआ है। कई स्थानों पर ट्रैक्टरों की मदद से गीली मिट्टी हटाई जा रही है, जबकि मजदूरों की टीमें दिन–रात घाटों को समतल करने में जुटी हैं। बाढ़ के कारण घाटों की सतह दलदली हो गई है, जिससे दीप सजाने का काम प्रभावित हो रहा है।

कुछ जगहों पर मिट्टी इतनी गीली है कि दीपों को रखने में कठिनाई आने की आशंका है। संगम क्षेत्र को 15 सेक्टरों में बांटा गया प्रशासन ने स्थिति को संभालने के लिए अतिरिक्त संसाधन लगाए हैं। नगर निगम की टीमें सफाई, धुलाई और मिट्टी सुखाने के कार्य में लगी हैं। मेयर गणेश केशरवानी ने बताया कि देव दीपावली के आयोजन को भव्य बनाने के लिए सभी विभागों को विशेष जिम्मेदारी दी गई है। संगम क्षेत्र को 15 सेक्टरों में बांटकर अलग–अलग संस्थानों और संगठनों को घाटों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। देव दीपावली आयोजन के लिए प्रयागराज के जिलाधिकारी, कमिश्नर, पुलिस कमिश्नर सहित नगर निगम और सभी विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहेंगे। नगर निगम की ओर से सभी पार्षदों को भी घाटों की व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है। प्रयागराज की स्वयंसेवी संस्थाएं, व्यापार संगठन, एडवोकेट संघ और युवाओं के संगठन इस आयोजन में सहयोग कर रहे हैं। घाटों पर समतलीकरण का कार्य अधूरा हालांकि, कई स्थानों पर गीली मिट्टी के कारण अव्यवस्था देखने को मिली। कुछ घाटों पर समतलीकरण का कार्य अधूरा रहा, जिससे दीप सजावट में बाधा आई। इसके बावजूद, प्रशासन का दावा है कि देव दीपावली की शाम तक सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी। प्रयागराज का संगम तट इस बार फिर लाखों दीपों की रोशनी से आलोकित होगा, जिसके लिए प्रशासन और नगर निगम को अंतिम समय तक कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है।

बेटी से रेप की कोशिश करने पर दामाद की हत्या

प्रयागराज में ससुर ने पीट–पीटकर मार डाला, अर्धनग्न लाश घर के पीछे फेंकी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में ससुर ने दामाद की पीट–पीटकर कर हत्या कर दी, फिर अर्धनग्न लाश घर के पीछे धान के खेत में फेंक आया। सुबह गांव वालों ने लाश देखी। इसके बाद पुलिस बुलाई। युवक के घरवाले भी पहुंच गए। लाश देखकर हंगामा करने लगे।

पुलिस ने मशक्कत कर उन्हें शांत कराया। ससुर से पूछताछ की तो उसने तरह–तरह की कहानियां सुनाईं। शराब, झगड़े और हत्या को लेकर अलग–अलग दावे किए। इसके बाद पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। मोबाइल पर बातचीत के रिकार्ड खंगाले। हर बार शक की सुई ससुर पर जाकर ही रुक रही थी।

पुलिस ने उससे सख्ती से पूछताछ की तो जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि दामाद मेरी नाबालिग बेटी से जबरन संबंध बनाने की कोशिश कर रहा था। यह देखकर मुझे गुस्सा आ गया और उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। घटना यमुना नगर के कौंधियारा थाना क्षेत्र की है।

एक नवंबर की रात घूरपुर का रहने वाला रवि कुमार बिंद (28 वर्ष) अपनी ससुराल आया था। उसी रात घर के पीछे उसकी लाश मिली थी। वह अंडरवियर और बनियान में था। चेहरे, शरीर पर चोट के निशान थे।

दो नवंबर की सुबह लाश मिलने के बाद हंगामा मच गया। पुलिस ने रवि के ससुर से

पूछताछ की तो उसने पुलिस को गुमराह किया। बताने लगा कि रवि शराब पीकर बाहर घूमने गया था। तभी किसी से उसका झगड़ा हुआ और फिर उसकी लाश मिली।

दो नवंबर को ही पोस्टमॉर्टम के बाद जब रवि का शव उसके घर घूरपुर पहुंचा तो गांव वालों ने हंगामा कर दिया। परिजनों ने अंतिम संस्कार करने से इनकार कर हंगामा किया। ऐसे पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और 48 घंटे का समय मांगा। तब जाकर भीड़ शांत हुई।

बार–बार बयान बदलने की वजह से पुलिस को ससुर पर शक हुआ। जब आरोपी ससुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, तो पहले वह लगातार झूठ बोलता रहा। जब पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर कड़ाई से पूछताछ की, तो उसने आखिरकार अपना जुर्म कबूल कर लिया।

जमुना प्रसाद ने बताया– दामाद ने उससे ध्100 देकर शराब मंगाई थी। दोनों ने साथ शराब पी और फिर विवाद हुआ। धक्का–मुक्की के दौरान रवि का सिर पत्थर से टकरा गया और वह घायल होकर गिर पड़ा। आरोपी ने गुस्से में उसे और पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने जब और सख्ती से पूछताछ की, तब उसने पूरा सच बताया। ससुर ने बताया– रवि महाराष्ट्र के कोल्हापुर में फैक्ट्री में लोहा सप्लाई करने वाला ठेकेदार था। वह अक्सर ससुराल आकर रुक जाता था। एक नवंबर की रात भी वह ससुराल पहुंच गया था। रात में उसने शराब पी। इसके बाद उसने मेरी नाबालिग बेटी से संबंध बनाने की कोशिश की।

मैंने उसकी इस हरकत को देख लिया। इसके बाद मैं अपने दामाद को खींचकर पीटने लगा। गंभीर चोट लगने से रवि की मौत हो गई। उसने शव को घर के पीछे करीब 100 मीटर दूर धान के खेत में ले जाकर फेंक दिया। इसके बाद आकर सो गया। सुबह जब दामाद की लाश बरामद हुई।

रवि कुमार बिंद की शादी आठ साल पहले प्रतिमा बिंद से हुई थी। उसके तीन बच्चे बेटी रिया (7 वर्ष), बेटा रमन (5 वर्ष) और सबसे छोटा अमन (3 वर्ष) हैं।

संगम में डुबकी लगाने पहुंची पूर्व सीएम उमा भारती

गंगा स्वच्छता और श्रद्धा संकल्प अभियान, साधु–संतों के साथ श्रद्धालुओं की भीड़

प्रयागराज (संवाददाता)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री साध्वी उमा भारती मंगलवार को संगम नगरी पहुंच गईं। साधु, संतों ने साध्वी का स्वागत किया। उमा भारती गंगा स्वच्छता और श्रद्धा संकल्प अभियान को जन–जन तक पहुंचाने के लिए संगम नोज पर हजारों गंगा भक्तों के साथ मां गंगा में पांच डुबकी लगाएंगी।

पहली डुबकी दिव्य भव्य महाकुंभ मेले के सफल आयोजन की व्यवस्था को लेकर मोदी एवं योगी सरकार के प्रति आभार की होगी।

दूसरी डुबकी महाकुंभ मेले में आए साधु संतो के वंदन के लिए होगी। तीसरी डुबकी करोड़ों श्रद्धालुओं के प्रति प्रयागराज वासियों की सद्भावना का अभिन्नदन का होग। चौथी डुबकी महाकुंभ मेले में पूरे विश्व

में आए हुए श्रद्धालुओं का नमन का होगी। पांचवी डुबकी मां गंगा की अविरलता, निर्मलता और निरंतरता के प्रतिबद्धता के लिए होगी।

इस अभियान में देश के प्रदेश के गंगा भक्त हजारों की संख्या में शामिल होने पहुंचे हैं। खासकर उत्तर काशी हिमालय क्षेत्र में रहने वाले कुछ वो लोग शामिल हो रहे हैं। उमा भारती ने कहा कि गाय और गंगा का संरक्षण करना सिर्फ सरकार की नहीं बल्कि हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आगे कहा कि गंगा की स्वच्छता अविरलता और निर्मलता के लिए मोदी सरकार ने 2014 में गंगा मंत्रालय बनाए।

जिसकी मंत्री मैं स्वयं रही और गंगा की स्वच्छता के लिए दीर्घकालीन ट्रीटमेंट प्लांट तैयार किया गया और इस पर कार्य भी करना जारी किए गए। लेकिन बीच में कोरोना महामारी के कारण काम प्रभावित हुए हैं और देश के अंदर बार–बार किसी न किसी राज्य में चुनाव होने के कारण देश के विकास में और गंगा के कार्य में रुकावट पैदा हो जाती है।

इसलिए देश के अंदर वन नेशन वन इलेक्शन की आवश्यकता है। वन नेशन वन इलेक्शन दृढ़ इच्छा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू होगा और हमें पूरा विश्वास है कि जिस तरह श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण और धारा 370 हटाकर अखंड भारत राष्ट्र का निर्माण कार्य का मार्ग प्रशस्त किया है।

महंत के करोड़पति गनर पर करप्शन में चार्जशीट

नरेंद्र गिरि के सुरक्षाकर्मी रहे दीवान की कमाई लाखों में, खर्च किए 1.17 करोड़

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि के चर्चित करोड़पति गनर अजय कुमार सिंह पर एक बार फिर बड़ी कार्रवाई हुई है। एंटी करप्शन थाना प्रयागराज में उस पर दर्ज करप्शन मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। इनवेस्टिगेशन में पाया गया है कि उसकी कमाई लाखों में रही जबकि उसने सवा करोड़ से ज्यादा की रकम खर्च कर डाली।

सूत्रों के मुताबिक, जांच में यह पाया गया कि अजय ने अपनी वैध आय के मुकाबले 23.5ः अधिक संपत्ति अर्जित की। इस बाबत जब उससे एक्स्ट्रा इनकम का सोर्स मांगा गया तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इसी आधार पर उसके खिलाफ मुकदमे में चार्जशीट लगा दी गई। उस पर 17 जुलाई 2023 को मुकदमा दर्ज किया गया था। महंत की मौत के बाद जब उनके करोड़पति गनर की संपत्तियों का ब्यौरा सामने आया, तो विभाग भी हैरान रह गया था।

जांच में सामने आया था कि अजय ने लाइसेंसी पिस्टल भी विभागीय अनुमति के बिना खरीदी थी। आरोप यह भी है कि उसने अल्लापुर स्थित फ्लैट, फॉर्च्यूनर, अल्टो और बुलेट मोटरसाइकिल भी नियमों विरुद्ध तरीके से खरीदी। जांच अधिकारी को उन्होंने किसी भी खरीद की अनुमति का दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया।

महंत नरेंद्र गिरि की मौत के बाद अजय सिंह पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगे थे। शिकायत शासन तक पहुंचने पर दिसंबर 2022 में गृह विभाग ने जांच के आदेश दिए। जनवरी 2023 में भ्रष्टाचार निवारण संगठन के मुख्यालय ने जांच की जिम्मेदारी इंस्पेक्टर ठाकुरदास को सौंपी।

खुली जांच में पाया गया था कि अजय ने निर्धारित अवधि में वैध स्रोतों से 95.79 लाख रुपये की आय अर्जित की। जबकि इस दौरान उसने 1.22 करोड़ रुपये खर्च किए। यानी

26.78 लाख रुपये (करीब 28ः) अधिक खर्च किए। प्रारंभिक जांच में वह अपनी आय और खर्च के बीच इस भारी अंतर का संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सका था।

सूत्रों के मुताबिक, विवेचना के दौरान अजय ने कुछ संपत्तियों के लिए आंशिक स्पष्टीकरण दिया, जिससे लगभग 5ः संपत्ति का स्रोत स्पष्ट हुआ। हालांकि 23.5ः अतिरिक्त अर्जित आय के लिए वह कोई वैध दस्तावेज नहीं दे सका। इस पर भ्रष्टाचार निवारण संगठन ने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(1)(बी) व 13(2) के तहत चार्जशीट दाखिल कर दी है।

नियमों के मुताबिक कोई भी सरकारी कर्मचारी यदि अपने एक माह के मूल वेतन से अधिक मूल्य की चल या अचल संपत्ति खरीदता या बेचता है, तो उसे तत्काल अपने विभाग को इसकी जानकारी देनी होती है। अजय सिंह ने ऐसा न करके सरकारी सेवा नियमों का उल्लंघन किया है, जिसके कारण उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी संभव है।

मूल रूप से बलिया का रहने वाला 39 साल का अजय महंत नरेंद्र गिरि का बेहद करीबी रहा।

10 जुलाई 2005 को वह पुलिस विभाग में नियुक्त हुआ, 05 जनवरी 2021 को दीवान बना।

10 जुलाई 2012 को उसकी तैनाती प्रयागराज में हुई।

कुछ दिनों बाद वह महंत नरेंद्र गिरि की सुरक्षा में तैनात कर दिया गया और फिर वहीं बना रहा।

वीडियो में रुपयों की बात करते दिखा सिपाही, सस्पेंड

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के घूरपुर थाने में तैनात सिपाही सुधीर चौधरी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वीडियो में वह कथित तौर पर रुपये के लेन–देन की बात करता सुनाई दे रहा है। मामला सामने आते ही डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने उसे

सस्पेंड कर विभागीय जांच के आदेश दे दिए। सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें सिपाही किसी से रुपये की बात करते नजर आ रहा है। वीडियो सामने आते ही पुलिसकर्मियों में खलबली मच गई और मामले की जानकारी तुरंत उच्चाधिकारियों तक पहुंची। वीडियो की जांच में पता चला कि इसमें दिख रहा सिपाही सुधीर चौधरी है, जो घूरपुर थाने में तैनात है। डीसीपी विवेक चंद्र यादव ने बताया कि सिपाही को सस्पेंड कर दिया गया है। प्रारंभिक रूप से जो बातें सामने आई है, उस आधार पर यह कार्रवाई की गई है। विभागीय जांच में आरोप सही पाए गए तो सिपाही के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डीएपी खाद के लिए 8 घंटे से लाइन में किसान

प्रयागराज (संवाददाता)। ठंडी सुबह की ओस अभी जमीन पर थी, लेकिन किसान खेत नहीं –इफको खाद केंद्र की लाइन में खड़े हैं। हाथ में आधार कार्ड , आंखों में उम्मीद कृ कि आज शायद डीएपी खाद मिल जाए। कई सारे किसान भोर के 4 बजे से लाइन में लगे हैं , इसी उम्मीद पर कि डीएपी मिल जाए । सुबह से बिना कुछ खाये पिए बस एक ही जद्दोजहद कि किसी तरीके से डीएपी खाद मिल जाए । अमूमन इस समय किसान खेतों में मेहनत कर रहा होता है लेकिन अभी फिलहाल वो लाइन में लगकर खाद के लिए जद्दोजहद कर रहा है । और केवल पुरुष किसान ही नहीं महिला किसान भी जो आमतौर पर इस वक्त घर के काम काज में व्यस्त रहती हैं लेकिन आज वो काम काज और बच्चो को छोड़कर केवल डीएपी खाद के लिए सुबह से ही लंबी लाइन में लगी हैं । लेकिन जैसे–जैसे सूरज चढ़ता गया, उम्मीदें ढलती गईं। लोगो का हुजूम केंद्र पर उमड़ पड़ा है । खाद केंद्र का आँखो देखा हाल सुबह 6 बजे का है । जहाँ भोर से ही लोग लाइनों में लगकर डीएपी खाद के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं । ना खाने की फिक्र ना पानी पीने की इच्छा बस एक ही है मकध्सद है किसी तरीकध् से फसलों के लिए डीएपी खाद मिल जाए । लेकिन घंटों इंतजार करने के बाद भी केवल निराशा ही लोगों के हाथ लग रही है । प्रयागराज के फूलपुर के घियानगर स्थित इफको किसान केंद्र पर सुबह 4 बजे से ही किसानों की भीड़ उमड़ पड़ी है । डीएपी खाद के लिए लोग लंबी लाइन में लगे हैं । बड़ी संख्या में महिलाएं घर का काम काज छोड़कर डीएपी खाद के लिए जद्दोजहद कर रही हैं । कल बड़ी संख्या में लोग बिना खाद पाए निराश मन से वापस लौटे थे । आज फिर से लाइन में लगकर डीएपी खाद के लिए संघर्ष कर रहे हैं । सबसे पहले हमे हैबतपुर के किसान कृष्णराज मिले । उन्होंने बताया कि सुबह 3 बजे से ही आकर लाइन में लग गए हैं । लेना तो उन्हें जायदा बोरी डीएपी है लेकिन केवल 2 बोरी ही मिल रही है । उन्होंने बताया कि बिना कुछ खाये पिए वो लाइन में लगे है केवल इस आस में कि डीएपी मिल जाए। कल भी वो लाइन में लगे थे लेकिन 2 बजे के बाद खाद मिलना बंद हो गया था । इस लिए आज भोर में ही आकर लाइन के लग गए हैं। उन्होंने बताया कि सुबह से ही भूल प्यास मारकर लाइन में लगे हैं क्युकी एक बार अगर कुछ खाने के लिए लाइन छोड़ देंगे तो दुबारा उन्हें लाइन में लगने नहीं दिया जाएगा । धन की कटाई अभी खध्त्म नहीं हुई है लेकिन कटाई छोड़कर डीएपी खाद के लिए लाइन में लगे है । बगल में ही हमे महिला किसान सीमा मिल गई । उन्होंने बताया कि भोर से ही वो लाइन में लगी है। वो चकिया गाँव से ऑटो से आई हैं । आने से पहले घर का काम भी नहीं किया है , डीएपी लेने के लिए उन्हें आना पड़ा है । खाने पीने के सवाल पर उन्होंने बताया कि भूख प्यास तो लगती ही है लेकिन क्या करे लाइन से हट भी नहीं सकते । सीमा के जैसे तमाम महिला किसान भोर से ही लाइन में लग कर केंद्र खुलने का इंतजार कर रही हैं । डीएपी बोरी के साथ जबरिया दिया जा रहा नैनो डीएपी लाइन में लगे हुए एक और किसान पवन पटेल ने बताया कि वो करीब 10 किलोमीटर दूर से डीएपी लेने के लिए आए हैं । सरकार द्वारा निर्धारित डीएपी का रेट 1350 रुपये बोरी है । लेकिन किसानो को बोरी के साथ नैनो डीएपी लेना अनिवार्य है । अगर कोई किसान नैनो लेने से मना करता है तो उसे खाद नहीं दी जाती । जिन्हें जरूरत भी नहीं होती उन्हें नैनो डीएपी लेना पड़ता है। जिसके लिए उन्हें 300 रुपये और देने पड़ते हैं । उनका कहना है कि सरकार को चाहिए की ये जो डीएपी के साथ में नैनो डीएपी मजबूरन लेना पड़ रहा है उस पर रोक लगायी जाए । जिसे जरूरत है केवल उसी को दिया जाए सब को ना दिया जाए।

प्रयागराज में 5.30 लाख दीपों से जगमगाएगा संगम घाट

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में देव दिवाली के अवसर पर संगम घाट भव्य रूप से जगमगाएगा। 5 नवंबर बुधवार की शाम 6 बजे संगम घाट पर 5 लाख 30 हजार दीपों से भव्य देव दीपावली उत्सव मनाया जाएगा। जिसे एक साथ जलाकर पूरे घाट को रोशन किया जायेगा। जिसको लेकर घाटों पर तैयारियां

चल रहीं हैं सेक्टर में इन्हें बांटा जा रहा है। देव दिवाली इस बार बहुत ही भव्य और धूम धाम से मनाया जायेगा, संगम तट को रौशनी से सजाने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कार्यक्रम को लेकर घाट क्षेत्र को 15 सेक्टरों में बाँटा गया है, जिन्हें विभिन्न विभागों और संस्थानों को जिम्मेदारी के रूप में सौंपा गया है। टप्ध घाट से लेकर संगम नोज तक, तथा गंगा आरती स्थल से संगम नोज तक दोनों ओर दीपों से घाट को सजाया जाएगा। दीपों से अलग–अलग कलाकृतियां बनाई जाएंगी, जो दर्शकों को आकर्षित करेंगी। इस अवसर पर कलाकार सैंड आर्ट के माध्यम से अद्भुत कलाकृतियां भी प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 5 बजे उद्घाटन समारोह और भजन गायन के साथ होगा। इसके बाद 6 बजे दीपदान का शुभारंभ किया जाएगा। आतिशबाजी के बीच संगम घाट पर देव दीपावली का अनुपम दृश्य देखने को मिलेगा। प्रशासनिक और सामाजिक वर्ग के लोगों की भारी भागीदारी रहेगी। लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है।

अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

मुजफ्फरनगर। श्रीराम ग्रुप आफ कॉलेजज के सभागार में भारत में सुरक्षित और किफायती पेयजल आपूर्ति के लिए सतत विकास व्यवसाय सत्यापन सर्वेक्षण एवं यू0वी0 सी0सी0एल0 तकनीक नामक विषय पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर जापान की स्टेनली इलेक्ट्रिक कॉरपोरेशन लिमिटेड एवं जापान की ओ० ई० सी० कंपनी के उच्च स्तर के अधिकारियों ने भाग लेकर सेमिनार में संगोष्ठी का प्रतिनिधित्व किया। सेमिनार का उददेश्य एक अत्याधुनिक जापानी जल–शुद्धिकरण तकनीक है। इसमें अल्ट्रावायलेट किरणों और कैटलिटिक कार्बन लेयर का उपयोग करके पानी से हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस, रासायनिक तत्व और अशुद्धियाँ हटाई जाती हैं।

यह तकनीक पानी को बिना रसायन शुद्ध करती है एवं ऊर्जा की खपत कम करती है, रखरखाव में सस्ती है, और ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में प्रभावी रूप से उपयोग की जा सकती है।

सेमिनार की शुरुआत श्रीराम ग्रुप आफ कॉलेज के संस्थापक चेयरमैन डॉ0 एस0 सी0 कुलश्रेष्ठ तथा मुख्य अतिथि डा प्रज्ञा सिंह अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बोर्ड मुजफ्फरनगर एवं जापान से आए तशुयुकी इवासाकी प्रबंधक स्टेनली इलेक्ट्रिक कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिरोशी यामानुची अधिशासी अधिकारी ओ० सी० ई० जापान औद्योगपति कुशपुरी, विपुल भटनागर, श्रीराम ग्रुप आफ कालिजेज एकीकृत परिसर के निदेशक डा एसएन चौहान, श्रीराम कॉलेज की प्राचार्या डा प्रेरणा मित्तल, निदेशक डा अशोक कुमार, रिर्सच, श्रीराम ग्रुप आफ कालिजेज डा आरपी सिंह, श्रीराम कालेज आफ फार्मेसी के निदेशक डा गिरेन्द्र गौतम, डीन एकेडमिक्स डा विनित कुमार शर्मा, द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर की गई ।

उपरोक्त सेमिनार पर श्री राम ग्रुप आफ कॉलेज के संस्थापक चेयरमैन डॉ0 एस0 सी0 कुलश्रेष्ठ तथा डॉ0 प्रज्ञा सिंह नगर पालिका अधिशासी अधिकारी एवं जापान से आए तशुयुकी इवासाकी व हिरोशी यामानुची से विस्तार से चर्चा की ।

इस संबंध में श्री राम ग्रुप आफ कॉलेज के संस्थापक अध्यक्ष डॉ0 एस0 सी0 कुलश्रेष्ठ ने जापान से आए सभी प्रतिनिधि मंडलों का स्वागत किया और हिरोशी यामानुची तथा तसुयुकी इवासाकी की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिस तरह से इतनी

बड़ी कंपनी के अधिकारी होकर जमीन स्तर से कार्य कर रहे हैं वह प्रेरणादायक है उन्होंने कहा कि इस कंपनी के माध्यम से 98: जल को शुद्ध किया जा सकता है इसका उपयोग सिंचाई में भी किया जा सकता है ।

इन्होने यह भी बताया की 5 वर्ष पूर्व जापान इंटरनेशनल कॉरपोरेशन एजेंसी (श्रष्ब।) ने श्री राम ग्रुप आफ कॉलेज के परिसर में संस्थान के अपशिष्ट जल को पुनः शोध एवं सिंचाई योग्य बनाने के लिए अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र स्थापित किया था इसके बाद जापान सरकार की ओर से महाविद्यालय को लगभग 3.5 करोड रुपए का ऋण दिया गया था।

इस अवसर पर सेमिनार में उपस्थित आज की मुख्य अतिथि डॉ0 प्रज्ञा सिंह ने बताया कि मुजफ्फरनगर जैसे भारत के कई हिस्सों में सुरक्षित और किफायती पेयजल तक पहुंच एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। सूक्ष्मजीवी रोगाणुओं से संदूषण, खराब रखरखाव और रासायनिक शुद्धिकरण विधि अक्सर जल सुरक्षा से समझौता करती है। डा प्रज्ञा सिंह ने मुजफ्फरनगर में इस तकनीक के उपयोग पर हर्ष जताते हुये नगरपालिका की ओर से पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर हिरोशी यामानुची ने बताया की यू0वी0 सी0सी0एल0 एक ऐसी तकनीक है जिसके द्वारा पेयजल को सूक्ष्म जीवो से बचाया जा सकता है। यह तकनीक पानी की गुणवता को बिना हानि पहुचाये सुक्ष्म जीवों को समाप्त करती है। उन्होने यह भी बताया कि इस तकनीक का उपयोग भारत में महाराष्ट्र व पंजाब के रामपुर गाव में सफलता पूर्वक किया गया है। अब वह इस तकनीक का उपयोग उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में करने के इच्छुक है।

इसके पश्चात सेमिनार में उपस्थित तासुयुकी इवासकी ने बताया कि इस विधि के कई लाभ हैं जैसे बैक्टीरिया, वायरस और प्रोटोजोआ के विरुद्ध उच्च सूक्ष्मजैविक प्रभावकारिता, कम परिचालन लागत, न्यूनतम ऊर्जा उपयोग और कम क्लोरीन खपत इत्यादि।

सेमिनार के दौरान विभिन्न विशेषज्ञों ने भारत में जल संकट और उसकी गुणवत्ता संबंधी चुनौतियों पर अपने विचार रखे। कॉलेज विद्यार्थियों एवं फैकल्टी सदस्यों ने विषय से संबंधित शोधपत्र एवं प्रस्तुत किए।

कॉलेज की प्राचार्य डॉ. प्रेरणा मित्तल ने कहा कि यह पहल भारत–जापान के शैक्षिक एवं तकनीकी सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने बताया कि इस सेमिनार से विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय तकनीकी नवाचारों की गहन समझ प्राप्त हुई।

सेमिनार का सफल संचालन डॉ. रीतू पुंडीर एवं हुरैन खान द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया गया।

इस अंतर्राष्ट्रय सेमिनार की समन्वयक डा बुशरा अकील रही।

कार्यक्रम को सफल कराने में डा विपिन सैनी, विभागाध्यक्ष बायोसाइंस विभाग, विकास त्यागी, अंकित कुमार, डा पूजा तोमर, विभागाध्यक्ष बेसिक साइंस एवं महाविद्यालय के सभी विभागाध्यक्षों एवं शिक्षक गणों का योगदान रहा।

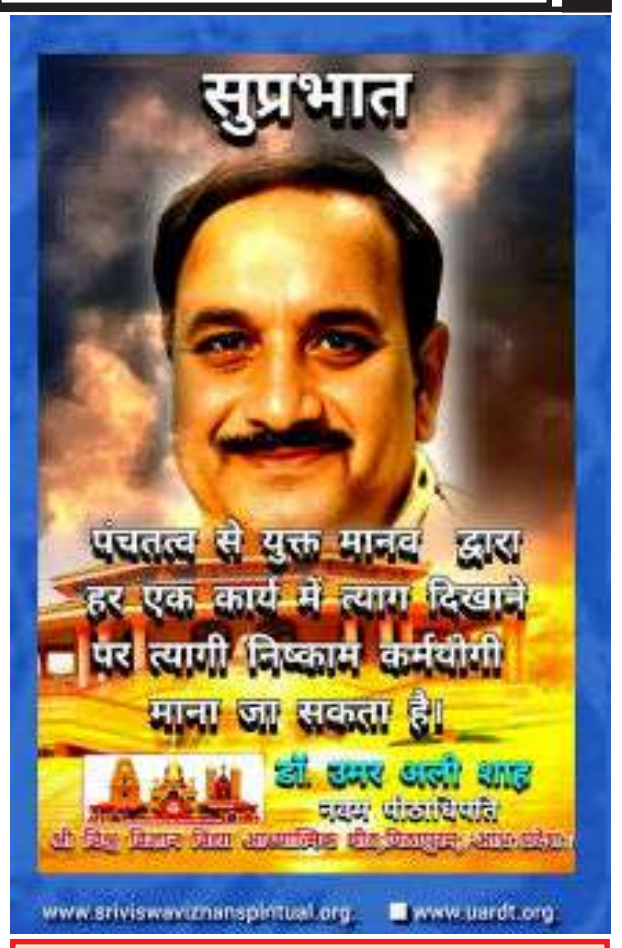

गेंदा की मासूमियत

गेंदा की मासूमियत, हँसने का अन्दाज।
है उसकी यह खघसियत, मस्ती भरा मिजाज।
मस्ती भरा मिजाज, वस्त्र पीला वह पहने।
रख करके सम भाव, पूर्ण करता है सपने।
सुन लो कहें प्रदीप, न रहता कभी अकेला।
खुशियों का संसार, बसाता हरदम गेंदा।।

राजा के सम्मान में, रखे न सिर पर ताज।
कहते हैं गेंदा उसे, रखता साधु मिजाज।
रखता साधु मिजाज, सुगन्धित जग को करता।
जीने का उत्साह, सभी में हँसकर भरता।
सुन लो कहें प्रदीप, बात करना यह साझा।
फूलों का सरदार, खूबियों का है राजा।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

योगी सरकार ने खोला खजाना, 23 लाख छात्रों की होगी बल्ले–बल्ले

जल्द मिलेगा यूनिफॉर्म के लिए पैसा

लखनऊ, संवाददाता। ठंड दस्तक देख बेसिक शिक्षा विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। पहले जहां स्कूलों का टाइम बदला, वहीं अब बच्चों के लिए बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश का कोई भी बच्चा बिना स्वेटर या अधूरी यूनिफॉर्म में स्कूल न जाए इसके लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।बच्चों के यूनिफॉर्म, स्वेटर, जूता–मोजा और स्टेशनरी के लिए उनके अभिभावकों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर डीबीटी से पैसा भेजा जा रहा है।बताते हैं कि अब तक एक करोड़ तीन लाख 25 हजार बच्चों के खातों में पैसा भेजा जा चुका है. इसके अलावा, बचे हुए 23 लाख बच्चों के खातों में महज 7 दिन के अंदर राशि पहुंचायी जाएगी। इनमें से 10 लाख बच्चों के खातों में अगले दो दिनों के भीतर पैसा ट्रांसफर होगा। अपर मुख्य सचिव बेसिक व माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने परिषदीय और मान्यता प्राप्त अनुदानित विद्यालयों के बच्चों को जूता–मोजा, यूनिफार्म, स्कूल बैग और स्टेशनरी के लिए धनराशि भेजने के प्रक्रिया की समीक्षा कर सभी जिलों के बीएसए को निर्देश दिया कि जिन अभिभावकों के खातों में पैसा भेजा जा चुका है, उन्हें जानकारी दी जाए और सुनिश्चित किया जाए कि राशि का उपयोग बच्चों की यूनिफार्म और पढ़ाई की सामग्री पर ही हो। आधार कार्ड न होने पर भी बच्चों को डीबीटी का लाभ मिलेगा। जिनके आधार नहीं बने हैं, उनके लिए यूआईडीएआई के जरिए अलग से प्रयास किए जाएंगे। यह व्यवस्था केवल इस शैक्षणिक सत्र के लिए लागू रहेगी ताकि कोई भी बच्चा लाभ से वंचित न रह जाए।

मैनपुरी के डीएसपी ऋषिकांत शुक्ला के पास मिली 100 करोड़ की प्रॉपर्टी

एसआईटी जांच में हुआ भंडाफोड़

लखनऊ, संवाददाता। डीएसपी यानि डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस का पद सरकार की सबसे जिम्मेदार और सम्मानित नौकरियों में से एक माना जाता है। इस पद पर तैनात अफसरों को न सिर्फ शानदार सैलरी मिलती है बल्कि कई तरह की सरकारी सुविधाएं भी हैं। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में तैनात डीएसपी ऋषिकांत शुक्ला इन दिनों सुर्खियों में हैं कानपुर नगर में लंबे समय तक तैनाती के दौरान उन्होंने कथित तौर पर करीब 100 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति अर्जित की।

उत्तर मध्य रेलवे

ई–टेन्डर नं० पी आर वाइ जे सिग–022–2025–26

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/संकेत एवं दूरसंचार/उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई–टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई–निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा नं.:– 022 **कार्य का विवरण:**–(ए) प्रयागराज–कानपुर खण्ड में टी एस.आर (पी) (38.942 कि.मी.)के लिये संकेत एवं दूरसंचार का कार्य, (बी) प्रयागराज–कानपुर खण्ड में सी टी आर (एस)(17.661 कि.मी.) के लिये संकेत एवं दूरसंचार का कार्य, (सी) प. दीनदयाल उपाध्याय –प्रयागराज खण्ड में टी.एस.आर (पी) (15.064 कि.मी. के लिये संकेत एवं दूरसंचार का कार्य (डी) प्रयागराज– कानपुर खण्ड में टी. आर आर (पी) (9.006 कि.मी.) के लिये संकेत एव दूरसंचार का कार्य (इ) प. दीनदयाल उपाध्याय–प्रयागराज खण्ड में टी आर आर (पी)(1.494 कि.मी) के लिये संकेत एवं दूरसंचार का कार्य (एक) चुनार–चोपन खण्ड में (45 सेट्स) चुनार–चोपन, शिकोहाबाद फर्रुखाबाद, बरहन–एटा, कानपुर–कानपुर अनवरगंज एवं इटावा–मैनपुरी टी टीआर (टी. डब्लू एस)– 88 सेट्स के लिये संकेत एवं दूरसंचार का कार्य।

अनुमानित मूल्य (₹):– 15700275.76	**बिड सिक्यूरिटी (₹):**– 228500.00
निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹):– 0.00	**कार्य समापन की अवधि:**– बारह माह

निविदा खुलने की तिथि:– 26.11.2025

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता:– निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप:– निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा।
यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ०प्र० स्टाप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय–समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी।

निविदा खुलने का समय तथा स्थान:– निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12.30 बजे या उसके बाद ई–निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी।

निविदा की वैधता:– निविदा खुलने के 60 दिन तक।

निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार:– रेलवे प्रशासन का, किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

2060/25(D)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

मॉम एंड मी एंड स्कॉलर्स प्राईड स्कूल में श्रद्धा और उत्साह के साथ गुरूपूरब मनाया गया

मुजफ्फरनगर। मॉम एंड मी एंड स्कॉलर्स प्राईड स्कूल में गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व गुरुपुरब के अवसर पर एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। पूरे विद्यालय में भक्ति और उत्साह का वातावरण दिखाई दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत गुरुबाणी के मधुर कीर्तन और सुविचार से हुई "सच्चा मन, मीठे बोल और सेवा ही सच्ची पूजा है।"

इस विचार का अर्थ विद्यार्थियों को समझाया गया कि हमें सच्चे मन से कार्य करना चाहिए, मधुर वाणी में बोलना चाहिए और निःस्वार्थ भाव से सेवा करनी चाहिए।

इसके पश्चात बच्चों ने गुरु नानक देव जी के जीवन और उपदेशों पर अपने विचार और

प्रेरणादायक शब्द प्रस्तुत किए।छात्रों ने बताया कि गुरु नानक देव जी ने सभी को समानता, सच्चाई और सेवा का संदेश दिया।

कई बच्चों ने छोटी–छोटी कविताएँ और उद्धरण बोलकर सभी को प्रेरित किया।विद्यालय में इस अवसर पर कई रचनात्मक गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं।

स्कूल डायरेक्टर डॉ रिंकू एस गोयल जी ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु नानक देव जी के उपदेश आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने बच्चों से सच्चाई और दया की राह अपनाने का आग्रह किया। पूरे विद्यालय में भक्ति, सद्भाव और प्रेरणा का सुंदर माहौल बना रहा।

सलखन जीवाश्म पार्क सोनभद्र को यूनेस्कों की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल कराने का प्रयास–जयवीर

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रदेश के सोनभद्र स्थित सलखन जीवाश्म पार्क को यूनेस्कों की विश्व धरोहर स्थलों की स्थायी सूची में शामिल करने का प्रयास गंभीरता से किया जा रहा है। यह पार्क उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के सलखन गांव, कैमूर वन्य जीव अभ्यारण्य के पास स्थित है और लगभग 25 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है और भारत के सबसे जीवाश्म पार्कों में से एक है। यूनेस्कों की विश्व धरोहर स्थल की स्थायी सूची मे शामिल होने से इसकी वैश्विक पहचान और महत्व बढ़ेगा तथा पर्यटन के साथ–साथ वैज्ञानिक शोधों को भी बढ़ावा मिलेगा। वर्तमान में भारत में 43 यूनेस्कों विश्व धरोहर स्थल है जिनमें 7 प्राकृतिक श्रेणी के है। सलखन जीवाश्म पार्क में करीब 1.4 अरब यानि 140 करोड़ वर्ष पुराने स्ट्रोमैटोलाइट्स जीवाश्म संरक्षित है। जो साइनोबैक्टीरिया नीली हरित शैवाल द्वारा निर्मित प्राचीन अवसादी संरचनाएं है। अमेरिका के एलो स्टोन नेशनल पार्क के 500 मिलीयन वर्ष पुराने जीवाश्म और कनाडा के मिस्टेकन पाइंट से भी अधिक सलखन के जीवाश्म पुराने है। सलखन पार्क पृथ्वी के प्री–कैब्रियन युग के महत्वपूर्ण प्रमाण प्रस्तुत करता हैं और जीवन के विकास की वैश्विक भू–विरासत श्रेणी में आता है। यह पार्क पृथ्वी पर प्रारंभिक जीवन और ऑक्सीजनिक प्रकाश संश्लेषण की उत्पत्ति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है। अमेरिका स्थित एलो स्टोन पार्क के बाद भारत का सबसे बड़ा यह जीवाश्म पार्क है। राज्य सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा पिछले काफी समय से सलखन को यूनेस्कों की विश्व धरोहर की श्रेणी में लाने के प्रयास किए जा रहे है। सलखन पार्क को वैश्विक स्तर पर स्थायी मान्यता मिलने से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्राचीन एवं समृद्ध प्राकृतिक ध रोहर को और अधिक मान्यता मिलेगी और पर्यटन को बढ़ावा

मिलेगा। स्थानीय स्तर पर वैज्ञानिक शोधों एवं स्वरोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। सलखन जीवाश्म पार्क में अब तक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय भू–वैज्ञानिकों ने विभिन्न शोध किए है और बताया है कि इतने सुंदर और स्पष्ट भू–क्षेत्र में हो रहे जीवाश्म वैज्ञानिक शोधों को एक नई दिशा प्रदान करेगे। पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी जिसके फलस्वरूप स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार तथा प्रदेश सरकार को राजस्व भी प्राप्त होगा। श्री सिंह ने केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को सितंबर 2025 में पत्र भेजकर सलखन पार्क को विश्व धरोहर की स्थायी सूची में शामिल कराने का अनुरोध किया गया था। उन्होंने प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि भारत सरकार के स्तर पर सलखन को यूनेस्कों की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए गंभीरता से प्रयास किया जा रहा है। वाराणसी स्थित सारनाथ को भी यूनेस्कों में शामिल करने के लिए भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। पर्यटन मंत्री ने केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का आभार भी व्यक्त किया है।

डायल 112 पर शिकायत के बाद हरकत में आई लखनऊ पुलिस, नहर में डूब रही छात्रा की बचायी जान

लखनऊ, संवाददाता। डायल 112 की सूचना पर तत्परता दिखाते हुए मंगलवार को नहर में डूब रही एक छात्रा को लखनऊ की बीबीडी पुलिस ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए उसकी जान बचा ली। छात्रा एक निजी विश्वविद्यालय की छात्रा है और गर्ल्स हॉस्टल में रहती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर लगभग 12.30 बजे थाना बीबीडी को डायल–112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि क्षेत्रांतर्गत स्थित एक निजी विश्वविद्यालय की एक 22 वर्षीय छात्रा, जो अपनी छोटी बहन के साथ एक प्राइवेट गर्ल्स हॉस्टल में रहती है, अवसाद के कारण एक पत्र लिखकर आत्महत्या करने की बात कहकर अपना मोबाइल बंद कर कहीं चली गई है। सूचना मिलते ही बीबीडी थाना पुलिस टीम तत्काल हरकत में आई और मौके पर पहुंचकर छात्रा की बहन से जानकारी प्राप्त की।

योगी सरकार का बड़ा फैसला, 1: रिकवरी छूट की घोषणा, 15 लाख किसानों और राइस मिलों को होगा तगड़ा लाभ

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार ने 'नॉन–हाइब्रिड (मोटे) धान पर एक प्रतिशत की 'रिकवरी' छूट की मंगलवार को घोषणा की जो 'हाइब्रिड धान पर पहले से दी जा रही छूट के समान है। यह धान से चावल निकालने की प्रक्रिया में होने वाले अनाज की 'रिकवरीश (उपज) पर सरकार द्वारा दी गई रियायत या छूट। इससे राज्य के करीब 15 लाख किसानों को फायदा होगा। वहीं राजकोष पर 166 करोड़ रुपये का भार बढ़ेगा। प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने यहां पत्रकारों से कहा कि जब 'हाइब्रिड धान से चावल निकाला जाता है तो केंद्र सरकार के मानदंडों के अनुसार 'रिकवरीश दर 67 प्रतिशत होती है। उत्तर प्रदेश सरकार हालांकि पहले से ही 'हाइब्रिड धान की 'रिकवरी पर तीन प्रतिशत की छूट दे रही है और इस छूट पर सालाना लगभग 100 करोड़ रुपये खर्च करती है। खन्ना ने कहा कि यही लाभ अब मोटे धान पर भी लागू किया जाएगा जिसमें एक प्रतिशत की 'रिकवरीश छूट दी जाएगी। खन्ना ने कहा, '' इस (छूट) पर 166 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इससे राज्य के लगभग 15 लाख चावल उत्पादक किसानों को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि इससे मंडियों में किसानों को धान का बढ़ा हुआ भाव मिलेगा। इससे किसानों को सीधा–सीधा फायदा होगा। यह निर्णय किसान व मजदूर हित के साथ–साथ धान मिल संचालकों के भी हित में है। कुल मिलाकर इससे पूरे उद्योग को बल मिलेगा। उत्तर प्रदेश में धान की सरकारी खरीद जारी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक अक्टूबर से जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक नवंबर से यह खरीद शुरू की गई थी।

पशुपालन विभाग अब किसानों से सीधे पराली जुटाएगा, 15 नवंबर तक चलेगा विशेष अभियान

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में पराली जलाने पर रोक और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर पशुपालन विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। विभाग अब किसानों के खेतों से सीधे पराली एकत्र करेगा, ताकि इसे जलाने के बजाय पशु आहार के रूप में उपयोग किया जा सके। इसके लिए राज्यभर में एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जो 15 नवंबर तक जारी रहेगा।अभियान के तहत पराली को इकट्ठा कर प्रोसेस किया जाएगा, जिससे पशुओं के लिए चारा तैयार किया जा सकेगा। इस पहल से जहां किसानों को राहत मिलेगी, वहीं पराली जलाने से होने वाले धुएं और प्रदूषण में भी कमी आएगी। विभाग ने इस संबंध में सभी जिलों को निर्देश भेज दिए हैं और किसानों से सहयोग की अपील की है। सरकार का मानना है कि यह मॉडल न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक होगा, बल्कि किसानों और पशुपालकों–दोनों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर कसा तंज, कहा, भाजपा राज मतलब भ्रष्टाचार का भंडार

लखनऊ, संवाददाता। आय से अधिक संपत्ति के मामले में फंसे निलंबित पुलिस उपाधीक्षक ऋषिकांत शुक्ल और माफिया अखिलेश दुबे को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोलते हुये कहा कि योगी सरकार के सुशासन के दावों की आये दिन पोल खुल रही है और हर विभाग में दलालों और रिश्वतखोरी चरम पर है। अखिलेश यादव ने मंगलवार को एक्स पर लिखा जिनके करीबी और सहायक अधिकारी के पास 100 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति मिली है, सोचिए उनके पास खुद कितनी अपार दौलत होगी और उनके उस शऊपरवालेश के पास कितनी, जिनके संरक्षण और आशीर्वाद से वे अब तक कार्रवाई से बचे हुए हैं। उन्होंने कहा भाजपा के सुशासन के दावे अब खोखले साबित हो चुके हैं। हर विभाग में घोटाले, हर स्तर पर रिश्वतखोरी और हर जगह दलालों का राज कायम है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज का असली अर्थ है भ्रष्टाचार का भंडार, जिसमें जनता की गाढ़ी कमाई का धन लूटने की खुली छूट दी जा रही है।

सम्पादकीय.......

प्रेस की आजादी में बाधा

इसे दुर्भाग्यपूर्ण विडंबना ही कहा जाएगा कि जिस 2 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पत्रकारों के खिलाफ दुराग्रह व हिंसा से मुक्ति के लिये मनाया जाता है, उसी दिन पंजाब भर में पुलिस द्वारा अखबारों को पाठकों तक पहुंचने से रोका गया। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिन को मनाये जाने का उद्देश्य अभिव्यक्ति की आजादी और सूचना तक सार्वभौमिक पहुंच पर मंडराते खतरों के खिलाफ चेतना जगाना रहा है। वहीं इस दिन पंजाब पुलिस ने रविवार तड़के समाचार पत्र ले जाने वाले वाहनों को रोककर कथित जांच का उपक्रम किया। फलतरू लाखों पाठक आपने पसंदीदा समाचार पत्रों का बेसब्री से इंतजार करते रह गए। निश्चित रूप से उन लोगों के लिये यह कष्टदायक ही रहा होगा, जिनके दिन की शुरुआत ही अखबार के साथ चाय–कॉफी से होती है। वे घंटों प्रतीक्षा करते रह गए, लेकिन पुलिस कार्रवाई के चलते उन तक समाचार पत्र नहीं पहुंचे। हालांकि, इस कार्रवाई के बाबत पुलिसिया दलील किसी के गले नहीं उतरी। पुलिस का दावा था कि यह जांच खुफिया एजेंसियों की सूचना पर आधारित थी कि इन वाहनों का उपयोग नशे, हथियार व प्रतिबंधित चीजों की तस्करी के लिये किया जा सकता है। हालांकि, ऐसी प्रतिबंधित व आपराधिक श्रेणी में आने वाली किसी वस्तु का कोई सुराग नहीं मिला। लेकिन पुलिस की कथित कार्रवाई पर तमाम तरह के सवाल जरूर उठे। पत्रकारों तथा तमाम मीडिया संगठनों ने समाचार पत्रों के वितरण में बाधा डालने की इस आपत्तिजनक कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दलों ने सत्तारूढ आम आदमी पार्टी की सरकार पर प्रेस की आजादी पर हमला करने को दुर्भाग्यूपर्ण घटना बताया। इसे मीडिया पर हमला बताते हुए इसे पंजाब सरकार की ओर से लगाया गया अघोषित आपातकाल बताया गया। यह भी आरोप लगा कि भगवंत मान सरकार ने उसे परेशान करने वाली खबरों पर रोक लगाने के मकसद से पुलिस के जरिये यह दमनात्मक कार्रवाई की। यह घटना अभिव्यक्ति की आजादी पर ऐसा हमला है, जिसे किसी भी कीमत पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसमें दोराय नहीं कि सीमावर्ती राज्य पंजाब की पाकिस्तान के साथ लगी इतनी लंबी सीमा है कि सुरक्षा के नजरिये से किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जा सकती है। लेकिन इसके बावजूद राज्य सरकार को सतर्कता और पारदर्शिता के बीच बेहतर संतुलन बनाना चाहिए। रविवार को अखबार ले जाने वाले वाहनों पर कार्रवाई शुरू करने से पहले मीडिया घरानों और समाचार पत्र आपूर्तिकर्ताओं सहित सभी हितधारकों को विश्वास में लिया जाना जरूरी था। निश्चित रूप से इससे व्यवधान और भ्रम की स्थिति से बचा जा सकता था। निर्विवाद रूप से मीडिया की स्वतंत्रता किसी स्वस्थ लोकतंत्र की आधारशिला है। यहां तक कि पंजाब के सबसे मुश्किल दौर में भी यह जरूरी है। सरकार और पुलिस को चरमपंथ के चरम वक्त को याद करने की सलाह दी जानी चाहिए, जब पुलिस सुबह के दौरे में साइकिल पर सवार हॉकरों को सुरक्षा प्रदान किया करती थी। उनकी सुरक्षा के साथ–साथ समाचार पत्रों के निर्बाध वितरण के लिये भी।

आशियान समिट में गूंजी कुंभ नगरी प्रयागराज की आवाज !

मलेशिया में 28 अक्टूबर को हुआ ऐतिहासिक कॉमनवेल्थ-आशियान सम्मेलन, प्रयागराज के कवि संदीप शुक्ला ने किया भारत का प्रतिनिधित्व

मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर इस सप्ताह अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और युवा नेतृत्व का केंद्र बनी रही, जब

26 से 28 अक्टूबर तक ''47वां आशियान (ASEAN) समिट'' भव्य तरीके से आयोजित हुआ। इस बार का विषय था कृ '"सहयोग, नवाचार और भविष्य की साझेदारी"' कृ और इसी मंच पर भारत की ओर से एक नई और प्रेरणादायक आवाज सुनाई दी कृ ''प्रयागराज के अंतरराष्ट्रीय कवि और युवा प्रतिनिधि संदीप शुक्ला'' की।

इस शिखर सम्मेलन में ''अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप'', ''भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर'', तथा कई एशियाई और कॉमनवेल्थ देशों के प्रधानमंत्री, नीति–निर्माता, राजनयिक और युवा नेता मौजूद रहे। सम्मेलन में सतत विकास, जलवायु परिवर्तन, शिक्षा, नवाचार और व्यापार सहयोग जैसे अहम मुद्दों पर गहन चर्चा हुई।

'भारत की तरफ से नई सोच, नई आवाज

भारत का प्रतिनिधित्व जहां विदेश मंत्री ''एस. जयशंकर'' ने औपचारिक सत्रों में किया, वहीं युवा और सांस्कृतिक वर्ग की ओर से प्रयागराज के कवि ''संदीप शुक्ला'' ने अपने विचार रखकर देश का गौरव बढ़ाया।

संदीप ने मंच से कहा – "अगर तकनीक मानवता की सेवा में न हो, तो विकास अधूरा है। ।प् और क्लीन टेक्नोलॉजी, भविष्य के भारत की आत्मा हैं कृ और कार्बन क्रेडिट मार्केट इसका नैतिक संतुलन।"

उनकी इस बात पर कई देशों के प्रतिनिधियों ने सहमति जताई। संदीप ने बताया कि उन्होंने अपने संबोधन में '।प्, ब्समंद ज्मबी और ब्तइवद ब्तमकपज डंतामज' जैसे आधुनिक विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

प्रयागराज से मलेशिया तक की प्रेरणादायक यात्रा'

कुंभ नगरी प्रयाग' से आने वाले संदीप शुक्ला की यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश और भारत के युवाओं के लिए प्रेरणा है।

संदीप ने बताया,

"मैंने यह कोशिश की कि भारत की युवा सोच, जिम्मेदार पर्यावरण नीति और तकनीकी नवाचार की आवाज विश्व मंच तक पहुँचे। प्रयागराज की मिट्टी ने जो सिखाया है – वही मैं मलेशिया में कहने गया था।"

उनकी बातों ने सम्मेलन के '"Youth - Innovation"' सत्र को नई दिशा दी।

सम्मेलन के प्रमुख मुद्दे

सदस्य देशों के बीच क्षेत्रीय सहयोग और नवाचार पर विस्तृत विमर्श।

जलवायु परिवर्तन, हरित ऊर्जा और सतत विकास पर साझा प्रतिबद्धता।

शिक्षा, डिजिटल तकनीक और युवाओं की भूमिका को लेकर ठोस योजनाएं।

कार्बन क्रेडिट मार्केट और ग्रीन इकॉनमी को लेकर संयुक्त नीति–निर्माण की पहल।

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने उद्घाटन भाषण में कहा कि,

"एशिया का भविष्य युवाओं और नवाचार पर टिका है। हर देश की जिम्मेदारी है कि वह ऐसे मंचों से नई सोच को सामने लाए।"

अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल के एक सदस्य ने कहा कि,

"भारत के युवा प्रतिनिधि ने जिस स्पष्टता से तकनीक और नैतिकता के मेल की बात की, वह सराहनीय है।"

ASEAN समिट 2025 का ऐतिहासिक महत्व'

यह ैम्।छ इतिहास का सबसे बड़ा सम्मेलन माना गया, जिसमें 11 देशों ने भाग लिया।

इस समिट में 'ज्पउवत–स्मेजम' को आधिकारिक तौर पर ैम्।छ का 11वां सदस्य बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

अमेरिका, जापान, चीन और ऑस्ट्रेलिया जैसे वैश्विक साझेदार भी इसमें शामिल हुए।

भारत ने प्दकव–च्ंबपपिब, क्पहपजंस म्बवदवउल और त्मदमूंइसम म्दमतहल पर कई प्रस्ताव रखे।

भारत के लिए गौरव का क्षण

भारत की ओर से इस सम्मेलन में विदेश मंत्री ''एस. जयशंकर'' ने कहा –

"ASEAN के साथ भारत का रिश्ता सिर्फ कूटनीतिक नहीं, बल्कि साझा मूल्यों, साझी जिम्मेदारियों और साझे भविष्य पर आधारित है।"

उनके साथ भारत के युवा प्रतिनिधि के रूप में संदीप शुक्ला की मौजूदगी ने इस समिट में "नए भारत की नई आवाज" का संदेश दिया।

''युवा सोच' को मिला वैश्विक मंच

यह पहला मौका था जब प्रयागराज जैसे शहर से कोई युवा प्रतिनिधि ैम्।छ शिखर सम्मेलन जैसे वैश्विक मंच पर पहुंचा।

स्थानीय स्तर पर इस खबर ने छात्रों, युवा उद्यमियों और लेखकों के बीच उत्साह पैदा किया है।

प्रयागराज के युवा कवि समाजसेवी शिवम भगवती ने कहा –

झ "संदीप शुक्ला का यह कदम इस बात का प्रतीक है कि आज भारत का युवा केवल दर्शक नहीं, बल्कि वैश्विक नीतियों का सहभागी है।

भविष्य की दिशा

संदीप शुक्ला अब भारत लौटने के बाद ASEAN देशों के साथ मिलकर 'AI – CleanTech Youth Collaboration Program' पर काम करने की तैयारी में हैं। उनका कहना है कि भारत को ऐसे मंचों पर युवाओं की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करनी चाहिए।

"हमारे पास न केवल विचार हैं, बल्कि समाधान भी हैं कृ बस हमें अवसरों को अपनाना होगा।" कृ 'संदीप शुक्ला'

रिपोर्ट– विशेष प्रियांशु शुक्ला

भारतीय महिला क्रिकेट: नई उड़ान, नई संभावना को सलाम

ललित गर्ग

2 नवंबर 2025 का रविवार भारतीय खेल जगत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया। यह वह दिन था जब नवी मुंबई का डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकेडमी मैदान न केवल एक विश्व कप का साक्षी बना, बल्कि भारतीय महिला शक्ति की अजेय प्रतिभा और जज्बे का भी प्रमाण देखा। शेफाली वर्मा ने 87 रन की पारी खेल कर विश्वकप को भारत के नाम कराने में अमूल्य योगदान दिया। शेफाली की यह पारी आत्मविश्वास से भरी होने के साथ–साथ सनसनीखेज पारी रही। इसी के साथ स्मृति मंधाना ने अपना सर्वश्रेष्ठ देते हुए भारत के लिये सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनी। उनकी टाइमिंग एवं कंवर ड्राइव ने सबका दिल जीत लिया। वैसे टीम का हर खिलाड़ी इस आश्चर्यकारी जीत के लिये बधाई का पात्र है। निश्चित ही भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप 2025 अपने नाम कर ऐसा इतिहास रचा, जो न केवल खेल का अध्याय है बल्कि सामाजिक परिवर्तन और नारी सशक्तिकरण की प्रेरक गाथा भी है। विश्व विजेता बनने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट की टीम की चर्चा दुनिया के हर कोने में हो रही है। यह जीत केवल एक ट्रॉफी भर नहीं, बल्कि उस नारी शक्ति का उद्घोष है जो वर्षों से अपने अस्तित्व को साबित करने में लगी थी। भारतीय बेटियों ने मैदान में यह दिखा दिया कि अब "खेल" सिर्फ पुरुषों का क्षेत्र नहीं रहा, यह वह मंच है जहां नारी की प्रतिभा, रणनीति, धैर्य और आत्मविश्वास अपनी सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर टीम को बधाई देते हुए कहा कि "यह केवल क्रिकेट की जीत नहीं, बल्कि भारत की नारी शक्ति, परिश्रम और आत्मविश्वास की जीत है।" सच भी यही है कि यह विजय भारत की नई महिला चेतना का प्रतीक है, वह चेतना जो अब हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ रही है। अब भारतीय महिलाओं को हाशिया नहीं, पूरा पृष्ठ चाहिए और यह बात उन्होंने इस ऐतिहासिक जीत को हासिल करके साबित किया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार महिला वनडे विश्व कप अपने नाम कर ऐतिहासिक जीत हासिल की है। भारत और दक्षिण–अफ्रीका का फाइनल विश्व कप मैच सदा के लिए इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों के साथ अतीत के पन्नों में दर्ज हो गई है। हरमनप्रीत की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम ने यह यादगार जीत हासिल की है। इससे पहले मिताली राज की कप्तानी में महिला क्रिकेट टीम 2005 और 2017 में फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन यहां आकर ट्रॉफी हाथ से फिसल गई थी। भारतीय महिला टीम ने टॉस हारने के बाद भी बल्लेबाजी के लिए उतरी और 298 रन बनाए। साउथ अफ्रीक की टीम इस आंकड़े को छू नहीं पाई, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर 47 साल के इंतजार को खत्म किया। इस महान सफलता के पीछे आईसीसी अध्यक्ष जय शाह की दूरदर्शी नीतियों और नेतृत्व का भी बड़ा योगदान है। उनके कार्यकाल में महिला क्रिकेट को वह सम्मान और अवसर मिले जिसकी वह वर्षों से हकदार थी। जय शाह ने न केवल संरचनात्मक सुधार किए बल्कि महिला क्रिकेट के लिए आधारभूत ढांचे, सुविधाओं और प्रोत्साहन योजनाओं को नई दिशा दी। उन्होंने यह साबित कर दिया कि जब नेतृत्व में दृष्टि होती है, तो इतिहास बदलता है। इस विश्व कप में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने खेल से दुनिया को चकित किया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जिस साहस और सूझबूझ से टीम का नेतृत्व किया, वह प्रेरणा का विषय है। उनके बल्ले से निकले हर रन ने नारी शक्ति की धुन गाई। स्मृति मंधाना की क्लासिकल बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों को बेहाल कर दिया, जबकि युवा खिलाड़ी शैफाली वर्मा की आक्रामकता ने नई पीढ़ी की ऊर्जा को स्वर दिया। गेंदबाजी में रेणुका ठाकुर और पूजा वस्त्राकर की सटीक लाइन–लेंथ ने टीम को हर मुश्किल समय में संभाला, वहीं स्पिनर दीप्ति शर्मा ने अपनी जादुई गेंदों से विरोधियों के हौसले पस्त किए। इस टूर्नामेंट में भारत की फील्डिंग और फिटनेस भी अप्रतिम रही, जो यह दर्शाती है कि अब भारतीय महिला क्रिकेट केवल तकनीक नहीं, बल्कि रणनीति और समर्पण के सर्वोच्च मानकों पर खड़ी है। महिला क्रिकेट खिलाड़ी नवीन क्षमताओं की नई उड़ान भरते हुए हर मन की मुराद पूरी कर रही है। यह जीत केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय खेल संस्कृति में परिवर्तन की दिशा का प्रतीक है। आज भारत की बेटियां छोटे कस्बों और गाँवों से निकलकर विश्व मंच पर चमक रही हैं। यह उस सामाजिक परिवर्तन का परिणाम है जिसमें परिवार, समाज और सरकार ने नारी खेल प्रतिभा को अवसर देना शुरू किया है। महिला विश्व कप 2025 ने यह सिद्ध कर दिया कि अब भारत में खेल सिर्फ "मैदान" तक सीमित नहीं, यह राष्ट्रीय चेतना और गौरव का हिस्सा बन चुका है। यह नारी स्वाभिमान, श्रम और संघर्ष की कहानी है। क्रिकेट अब केवल पुरुषों की लोकप्रियता का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि महिलाओं की असाधारण योग्यता का उत्सव बन गया है। भारत की यह जीत उस भविष्य की ओर इशारा करती है जहाँ खेल, लिंग भेद से परे, केवल प्रतिभा और परिश्रम के आधार पर सम्मान पाएगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की यह ऐतिहासिक विजय केवल कप जीतने की कहानी नहीं है, यह उस भारत की घोषणा है जो अपनी बेटियों को आगे बढ़ाने का साहस रखता है। यह जीत हर उस लड़की की प्रेरणा है जो गली के मैदान में क्रिकेट बैट थामे सपना देखती है कि एक दिन वह भी भारत के लिए खेलेगी। यह स्वर्णिम विजय हमें यह संदेश देती है कि भारत की नारी अब हर क्षेत्र में "खेल बदलने" के लिए तैयार है। जय शाह जैसे सक्षम नेतृत्व और खिलाड़ियों की प्रतिभा से सुसज्जित यह टीम आने वाले समय में विश्व क्रिकेट का नया अध्याय लिखेगी, जहाँ हर शॉट में आत्मविश्वास होगा, हर गेंद में संकल्प, और हर जीत में भारत की बेटियों की दमकती मुस्कान। भारत की बेटियाँ अब सिर्फ खेल नहीं रही हैं बल्कि वे इतिहास रच रही हैं। देश पर छा रहे अनेकानेक उजालों के बीच महिला विश्व कप 2025 रूपी उजाला देशवासियों को प्रसन्नता का प्रकाश दे गया। संदेश दे गया कि देश का एक भी व्यक्ति अगर दृढ़ संकल्प से आगे बढ़ने की ठान ले तो वह शिखर पर पहुंच सकता है। विश्व को बौना बना सकता है। पूरे देश के निवासियों का सिर ऊंचा कर सकता है। महिलाओं की इस करिश्माई उपलब्धि के बाद अखबारों के शीर्ष में यह समाचार छपा और सबको लगा कि शब्द उन पृष्ठों से बाहर निकलकर नाच रहे हैं। भारतीय महिला खिलाड़ियों ने खिलाड़ीपन के लम्बे रन–अप को पल–पल जीया है। इस दौरान बहुत कुछ पीया है तभी वे विश्व विजेता बनी।

सुहाने सफर में हादसों का खौफ

प्रेम शर्मा

शुरुआत में आरामदेह सफर की पर्याय बनी स्लीपर बसों में जानलेवा हादसों की संख्या लगातार बढ़ रही है। लाखों की तादाद में देश में सड़कों पर दौड़ रही इन बसों पर प्रतिबंध लगाने की मांग के बावजूद इनका परिचालन जारी है। इसकी प्रमुख वजह है वैकल्पिक परिवहन संसाधनों की कमी। इन बसों के लिए मौजूद एआईएस मानकों को लागू किया जा सके, तो हादसे काफी कम हो सकते हैं। महज एक पखवाड़े के भीतर दूसरी बार एक स्लीपर बस 20 से ज्यादा लोगों की धू–धू करके सामूहिक चिता बन गई और यह कोई पहली बार दिखा डरावना मंजर नहीं है। साल–दर–साल स्लीपर बसें इसी तरीके से खौफनाक दृश्य दिखा रही हैं। कई देशों द्वारा स्लीपर बसों पर बैन लगा दिये जाने के बावजूद भारत में हर दिन चेन्नई से लेकर शिमला तक 2 लाख से ज्यादा बसें दौड़ती हैं और इनमें 80 फीसदी बसें रात में अपना ज्यादातर सफर पूरा करती है, जो अब धीरे–धीरे सड़कों पर गंभीर व जानलेवा हादसों की शिकार हो रही हैं। इन बसों की शुरुआत लंबी दूरी के सफर को आरामदायक बनाने के लिए हुई थी। पहले 1930 के दशक में ब्रिटेन और जर्मनी में बसों में चारपाई में लेटने वाली सुविधा यात्रियों को दी गई। अगले 20 सालों में यूरोप और अमेरिका में स्लीपर बसें यातायात का स्टेट्स सिंबल बन गईं। हमारे यहां स्लीपर बसों का सिलसिला 1990 के दशक में महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात में शुरू हुआ। बॉम्बे टू गोवा और बॉम्बे टू पुणे स्लीपर बसें चलने लगीं। फिर 2000 के दशक में दक्षिण भारत में स्लीपर बसों का सिलसिला बढ़ने लगा। शुरुआत में ये सुविधा काफी सस्ती थी और भरपूर आराम भी दे रही थी। अब आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र और गुजरात आदि की सड़कों की ये शानदार सवारियां बन गई हैं। लेकिन वक्त के साथ स्लीपर बसों के व्यवसाय में भारी कंपटीशन उभरकर सामने आया, तो इनमें निरंतर हादसों की संख्या भी बढ़ने लगी। साल 2018 से 2024 के बीच ऐसा कोई साल नहीं गुजरा, जब करीब 4 दर्जन हादसें न हुए हों और इन हादसों में

औसतन डेढ़ सौ से दो सौ लोग मौत के मुंह में न समाएं हों। एक तरह से देखें तो भारत में स्लीपर बसें यातायात की नजर से खतरनाक हैं। हवाई जहाजों और लंबी दूरी की रेलगाड़ियों के मुकाबले इन बसों में कहीं ज्यादा हादसे होते हैं या हादसे ज्यादा न होते हों तो भी मरने वाले लोगों की संख्या ज्यादा रहती है। अगर साल 2018 से ही देखा जाए तो 2018 में 118, 2019 में 145, 2020 में 97, 2021 में 162, 2022 में 208, 2023 में 241 और जनवरी से सितंबर 2024 के बीच भी 189 लोग इन हादसों में मारे गये थे और इस साल अभी तक करीब 81 लोग इन हादसों में जान गंवा चुके हैं। मौजूदा पखवाड़े के दौरान राजस्थान और हैदराबाद के इन दो हादसों में ही 41 लोगों की जान चली गई है। अगर 2018 से अभी तक इन हादसों में गंभीर घायल लोगों पर नजर डालें, तो वे करीब 1800 हैं। इससे साफ है कि भारत में भी स्लीपर बसों का सफर बेहद खतरनाक है। हाल के सालों में दुनिया के 18 देशों में स्लीपर बसों पर प्रतिबंध लगा है, उसी तरह भारत में भी बैन की मांग हो रही है। 14 देश जिनमें चीन, थाइलैंड, वियतनाम, मलेशिया, नेपाल, लाओस, अर्जेंटीना, ब्राजील, पेरू और केन्या शामिल हैं, में ये स्लीपर बसें लगभग पूरी तरह से बैन हो चुकी हैं। अपवाद के तौरपर अगर कुछ बसें चलती हैं, तो उनके लिए नियम–कानून बेहद सख्त हैं। अमेरिका, जर्मनी और इंग्लैंड में भी इन पर लगभग प्रतिबंध है। लेकिन भारत में साल 2013 से ही इन पर प्रतिबंध की मांग के बावजूद यह संभव नहीं हो रहा, तो शायद इसलिए कि भारत में यातायात का दबाव बहुत ज्यादा है और रेल तथा हवाई जहाज में सीटों की उपलब्धता मांग को देखते हुए काफी कम है। गौरतलब है कि भारत में हर दिन सड़कों पर 30 लाख से ज्यादा बसें दौड़ती हैं और इनमें करीब 2 लाख स्लीपर बसें होती हैं। पहली बार देश में स्लीपर बसों पर प्रतिबंध लगाने की गंभीर मांग तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में साल 2013 में उठी थी, जब हुए कुछ हादसों में 40 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। साल 2014 में कर्नाटक हाइकोर्ट में कुछ लोग इन बसों पर प्रतिबंध लगाने की मांग लेकर गये। हाईकोर्ट ने तो पूरी तरह से स्लीपर बसों पर प्रतिबंध नहीं लगाया, लेकिन अनधिकृत डिजाइन वाली बसों और जिनके पास फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं था, उनके परिचालन पर प्रतिबंध लगा दिया। लेकिन देश में स्लीपर बस ऑपरेटरों का दबाव सरकारों पर कुछ इस तरह से है कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के तमाम हस्तक्षेप के बावजूद इन बसों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाना संभव नहीं लगता। हालांकि साल 2018 में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने एक स्लीपर कोच मानक (एआईएस–119) जारी किया था। हादसों और मांग के बावजूद भी स्लीपर बसों पर बैन तो दूर की बात, हाल के सालों में भारत में इनके परिचालन में 300 फीसदी की वृद्धि हुई है। वजह है भारत में यातायात के संसाधनों में भारी तंगी होना। यहां सालभर में करीब 700 करोड़ लोग सफर करते हैं। भारत में हमेशा ढाई से पौने तीन करोड़ लोग ट्रेनों में सफर कर रहे होते हैं। इसके बावजूद हर तीसरे व्यक्ति को सुविधा मुताबिक ट्रेन में सीट नहीं मिलती। ऐसे में सड़क परिवहन पर दबाव बढ़ रहा है। देश में हर दिन 50 लाख से ज्यादा लोग बसों में यात्रा करते हैं। हादसों के बावजूद स्लीपर बसों की मांग बनी हुई है। वहीं इन बसों में टिकट पाना ज्यादा व्यवस्थित है। टिकट बुकिंग के कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म हैं। स्लीपर बसों के परिचालन को सुरक्षित बनाने के लिए 2023 में जो संशोधित मानक (एआईएस–153) लागू किये गये थे, उनमें हर सीट पर सीट बैल्ट, फायर सेफ्टी सिस्टम, इमरजेंसी एग्जिट डोर व जीपीएस अनिवार्य था। लेकिन सही क्रियान्वयन व निगरानी के अभाव में निजी ऑपरेटर इन नियमों का पालन नहीं करते। अगर एआईएस मानकों को सही तरीके से लागू किया जा सके, तो हादसों की संख्या काफी कम हो सकती है।

इतिहास रचने के बाद अब जल्द ही शादी के बंधन में बंधेगी स्मृति मंधाना, बॉलीवुड डायरेक्टर संग इस दिन लेंगी 7 फेरे

टीम इंडिया की स्टार क्रिकेटर और विमेंस टीम की वाइस कैप्टन स्मृति मंधाना इस वक्त दोहरी खुशी मना रही हैं। पहले उन्होंने 2 नवंबर को विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 का खिताब जीतकर पूरे देश को गर्व महसूस कराया और अब वह अपनी निजी जिंदगी में एक नए सफर की शुरुआत करने जा रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्मृति जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं और उनके होने वाले पति बॉलीवुड इंडस्ट्री से ताल्लुक रखते हैं। वर्ल्ड कप फाइनल में भारतीय महिला टीम ने साउथ अफ्रीका को 62 रनों से हराकर शानदार जीत हासिल की थी। इस ऐतिहासिक जीत के बाद से टीम और फैन्स जश्न मना रहे हैं। खुद स्मृति मंधाना ने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें और वीडियो शेयर करते हुए इस जीत को अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा पल बताया। अब क्रिकेट ग्राउंड से बाहर भी स्मृति सुर्खियों में हैं। खबर है कि वह जल्द ही अपने लॉन्ग–टाइम पार्टनर पलाश मुच्छल से शादी करने वाली हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्मृति, 20 नवंबर 2025 को उनके होमटाउन सांगली, महाराष्ट्र में शादी रचाएंगी। यह शादी किसी प्राइवेट फंक्शन की तरह नहीं बल्कि एक ग्रैंड सेलिब्रेशन होगी, जिसमें क्रिकेट और बॉलीवुड जगत के कई बड़े सितारे शामिल होंगे। बता दें, स्मृति के होने वाले पति पलाश मुच्छल एक जाने–माने म्यूजिक कंपोजर, सिंगर और फिल्ममेकर हैं। वह मशहूर सिंगर पलक मुच्छल के भाई हैं। दोनों की मुलाकात करीब 6 साल पहले हुई थी और तभी से दोनों एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं। 2024 में स्मृति और पलाश ने अपने रिश्ते को पब्लिक किया था, जिसके बाद से दोनों को अक्सर साथ देखा जाता है। 30 वर्षीय पलाश मुच्छल ने 2014 में फिल्म ढिश्कियाऊं से बतौर म्यूजिक कंपोजर बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उन्होंने कई हिट गानों के लिए संगीत दिया और 2022 में आई फिल्म 'अर्ध' से डायरेक्टर के तौर पर डेब्यू किया। फिल्म इंडस्ट्री में वह एक टैलेंटेड और क्रिएटिव डायरेक्टर के रूप में जाने जाते हैं।

> “ स्मृति जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं और उनके होने वाले पति बॉलीवुड इंडस्ट्री से ताल्लुक रखते हैं। वर्ल्ड कप फाइनल में भारतीय महिला टीम ने साउथ अफ्रीका को ६२ रनों से हराकर शानदार जीत हासिल की थी। इस ऐतिहासिक जीत के बाद से टीम और फैन्स जश्न मना रहे हैं।

करण टक्कर बने 'फिट इंडिया चैम्पियन', युवा एवं खेल मंत्रालय ने किया सम्मानित

स्पेशल ऑप्स , तन्वी द ग्रेट और खाकीरू द बिहार चौप्टर जैसी शानदार परफॉर्मेंस देने वाले अभिनेता करण टक्कर को 'फिट इंडिया चौम्पियन के खिताब से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें डॉ. मनसुख मांडविया, केंद्रीय युवा एवं खेल मंत्री, और स्मृति रक्षा खडसे, केंद्रीय राज्य मंत्री (युवा एवं खेल मंत्रालय) ने नेशनल फिटनेस एंड वेलनेस कॉन्क्लेव 2025 में प्रदान किया, जो मुंबई में आयोजित हुआ। फिट इंडिया मूवमेंट, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना है जिसका उद्देश्य पूरे देश में फिटनेस, अनुशासन और वेलनेस को जीवन का हिस्सा बनाना है। हर साल मंत्रालय उन व्यक्तियों को सम्मानित करता है जो अपने फिटनेस के प्रति समर्पण से दूसरों को प्रेरित करते हैं।इस साल की शुरुआत में आयुष्मान खुराना को यह खिताब मिलने के बाद अब करण टक्कर बने हैं नए फिट इंडिया चौम्पियन जो लगातार फिटनेस और सम्पूर्ण वेलबीइंग को बढ़ावा देते रहे हैं। इस अवसर पर खेल, फिटनेस और कॉर्पोरेट जगत की कई नामचीन हस्तियां मौजूद थीं। अपनी खुशी जाहिर करते हुए करण टक्कर ने कहा, ”फिट इंडिया चौम्पियन के रूप में पहचाना जाना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। मेरे लिए फिटनेस सिर्फ दिखावे की बात नहीं, बल्कि मानसिक मजबूती, निरंतरता और संतुलन का प्रतीक है। मंत्रालय का आभार मानता हूं कि उन्होंने मुझे इस मूवमेंट का हिस्सा बनाया जो भारत को एक्टिव और हेल्दी रहने की प्रेरणा देता है।“अपने अनुशासन और डेडिकेशन के लिए जाने जाने वाले करण सोशल मीडिया और पब्लिक इंटरैक्शन के जरिए लोगों को लगातार प्रेरित करते हैं कि फिटनेस को सिर्फ एक लक्ष्य नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल बनाया जाए। प्रोफेशनल फ्रंट पर, करण जल्द नजर आएंगे अपनी आने वाली सीरीज ”भयरू द गौरव तिवारी मिस्ट्री में जो भारत के पहले पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर की सच्ची कहानी पर आधारित एक आठ–एपिसोड वाली सुपरनैचुरल थ्रिलर है। करण टक्कर ने सच में फिट इंडिया की आत्मा को जीया है अपने फैंस को प्रेरित करते हुए कि वे भी जीवन में सेहतमंद, मजबूत और संतुलित रहें।

शाहरुख खान ने बताया क्यों 'किंग' के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद हैं उनके लिए एस्थेटिक डायरेक्टर

शाहरुख खान के जन्मदिन के मौके पर फैंस को मिला अब तक का सबसे बड़ा तोहफा, उनकी मच अवेटेड फिल्म किंग का टाइटल रिवील हुआ। इसके साथ एक धमाकेदार वीडियो यूनिट भी रिलीज किया गया जिसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है, जिसके तुरंत बाद फिल्म का पोस्टर भी सामने आया, जिसने फैंस के उत्साह को दोगुना कर दिया। फिल्म का वादा है कि यह शाहरुख खान को एक बिल्कुल नए अंदाज में दिखाएगी स्टाइलिश, दमदार और बेहद करिश्माई। साथ ही, यह फिल्म पठान (2023) की जबरदस्त सफलता के बाद डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद और शाहरुख खान की जोड़ी को फिर से साथ लेकर करेगी। एसआरकेएम फैन मीट एंड ग्रीट के दौरान, सुपरस्टार शाहरुख खान ने डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद के साथ अपनी बदलती बॉन्डिंग पर खुलकर बात की। जब उनसे उनके साथ के सफर के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा –मुझे लगता है कि सिद्धार्थ एक बहुत ही ऑर्गेनाइज्ड डायरेक्टर हैं। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। उससे पहले मुझे नहीं पता था कि एक्शन हीरो कैसे निभाया जाता है। मैंने कुछ एक्शन फिल्में की थीं, लेकिन जब कोई डायरेक्टर आपको सीन के दौरान समझाता है और बताता है कि कैसे करना है, तो आपको इतना समझदार होना पड़ता है कि आप उसकी बात पकड़ लें, जैसे कि 'अगर मुझे एक ऐसा हीरो बनना है जो मास अपील वाला हो, जो मजबूत दिखे...'“ उन्होंने आगे कहा, ”मैंने वैसे किरदार पहले कभी नहीं निभाए, शायद करण अर्जुन में थोड़ा वैसा था। बाजीगर ज्यादा थ्रिलर थी। तो सिद्धार्थ ने जो भी कहा, मैंने उसे अपनाया। और सच कहूं तो, उसी ने मुझे जवान में वो करने में मदद की जो मैंने किया।“अपनी गहराती दोस्ती और काम के रिश्ते पर बात करते हुए शाहरुख खान ने कहा,पिछले दो–तीन सालों में जब हम अच्छे दोस्त बन गए हैं, तो सिद्धार्थ समझने लगे हैं कि मैं किस तरह का नया 'माचो हीरो' बनाना चाहता हूं। वो बहुत एस्थेटिक डायरेक्टर हैं, बेहद खूबसूरती से चीजें दिखाते हैं, लेकिन उन्हें बनावटी नहीं बनाते। सब कुछ बस नेचुरली खूबसूरत लगता है। एक बड़े फिल्ममेकर हैं।“शाहरुख खान ने मुस्कुराते हुए कहा, मैं उनके साथ काम करके सच में बहुत एंजॉय कर रहा हूं, क्योंकि अब उन्हें ज्यादा क्रिएटिव आजादी दी गई है। हिंदी सिनेमा में एक्शन कहानियों को नए लेवल पर ले जाने वाले सिद्धार्थ आनंद अब किंग के साथ फिर से सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। पठान की जबरदस्त सफलता के बाद, यह एक्टर–डायरेक्टर की जोड़ी एक बार फिर ६ ामाकेदार सिनेमाई अनुभव देने जा रही है और इसका सबूत है फिल्म की झलक, जिसने पहले ही फैंस को रोमांचित कर दिया है। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित और लिखी गई किंग को रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और मार्फ़्लिक्स प्रेजेंट्स ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 2026 में रिलीज होने वाली है।

एक्ट्रेस तब्बू ने शादी पर तोड़ी चुप्पी! बोरिंग है ये सवाल! अभिनेत्री ने बेबाकी से बताया क्यों नहीं की शादी

बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया में, जहाँ कई सितारे आते–जाते रहते हैं, वहीं कुछ कलाकार ऐसे भी होते हैं जो न सिर्फ़ अपने बेदाग़ काम के लिए, बल्कि अपने रिश्तों के लिए भी सुर्खियाँ बटोरते हैं। इसका एक उदाहरण हैं एक ऐसी अभिनेत्री जिन्होंने अपनी बेमिसाल प्रतिभा, भावपूर्ण आँखों और सहज स्क्रीन प्रेज़ेंस से दर्शकों के दिलों पर कब्ज़ा कर लिया है। हम जिस अभिनेत्री की बात कर रहे हैं, वह कोई और नहीं बल्कि तब्बू हैं। 1971 में हैदराबाद में जमाल हाशमी और रिज़वाना हाशमी के घर जन्मी तब्बू सुर्खियों में आने के लिए किस्मत में थीं। उनकी बड़ी बहन, फराह नाज़, 80 और 90 के दशक में बॉलीवुड में पहले से ही एक लोकप्रिय चेहरा थीं, जिन्होंने तब्बू को उनके नक्शेकदम पर चलने के लिए प्रेरित किया। सिर्फ़ 14 साल की उम्र में, तब्बू ने देव आनंद की फ़िल्म हम नौजवान (1985) में उनकी बेटी का किरदार निभाकर अपने फ़िल्मी करियर की शुरुआत की। सबकी चहेती तब्बू आज, 4 नवंबर को 54 साल की हो गईं। अपनी समृद्ध फिल्मोग्राफी के लिए जानी जाने वाली, इस अदाकारा की बहुमुखी प्रतिभा उन्हें बॉलीवुड की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्रियों में से एक बनाती है। अपने नाम कई बॉलीवुड और हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स के अलावा, तब्बू की निजी ज़िंदगी ने अक्सर लोगों को उत्सुकता में डाल दिया है। कुछ लोगों ने यह भी सोचा है कि उन्होंने शादी क्यों नहीं की और क्या यह उनका जानबूझकर किया गया फैसला था। हालांकि, तब्बू ने अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर लोगों की उत्सुकता को लेकर ज़्यादातर बेपरवाह रहने की कोशिश की है। उन्होंने एक बार कहा था कि उन्हें समझ नहीं आता कि सिंगल होना या किसी के साथ होना क्या बड़ी बात है। हिंदुस्तान टाइम्स के साथ एक पुरानी बातचीत के दौरान, तब्बू ने इस बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने कहा, ष्यह सब – वैवाहिक स्थिति और बच्चे – सबसे ज़्यादा मायने रखते हैं, खासकर जब आप एक महिला हों। मुझे नहीं पता कि लोग असल में आपको किस बात के लिए जज करते हैं।

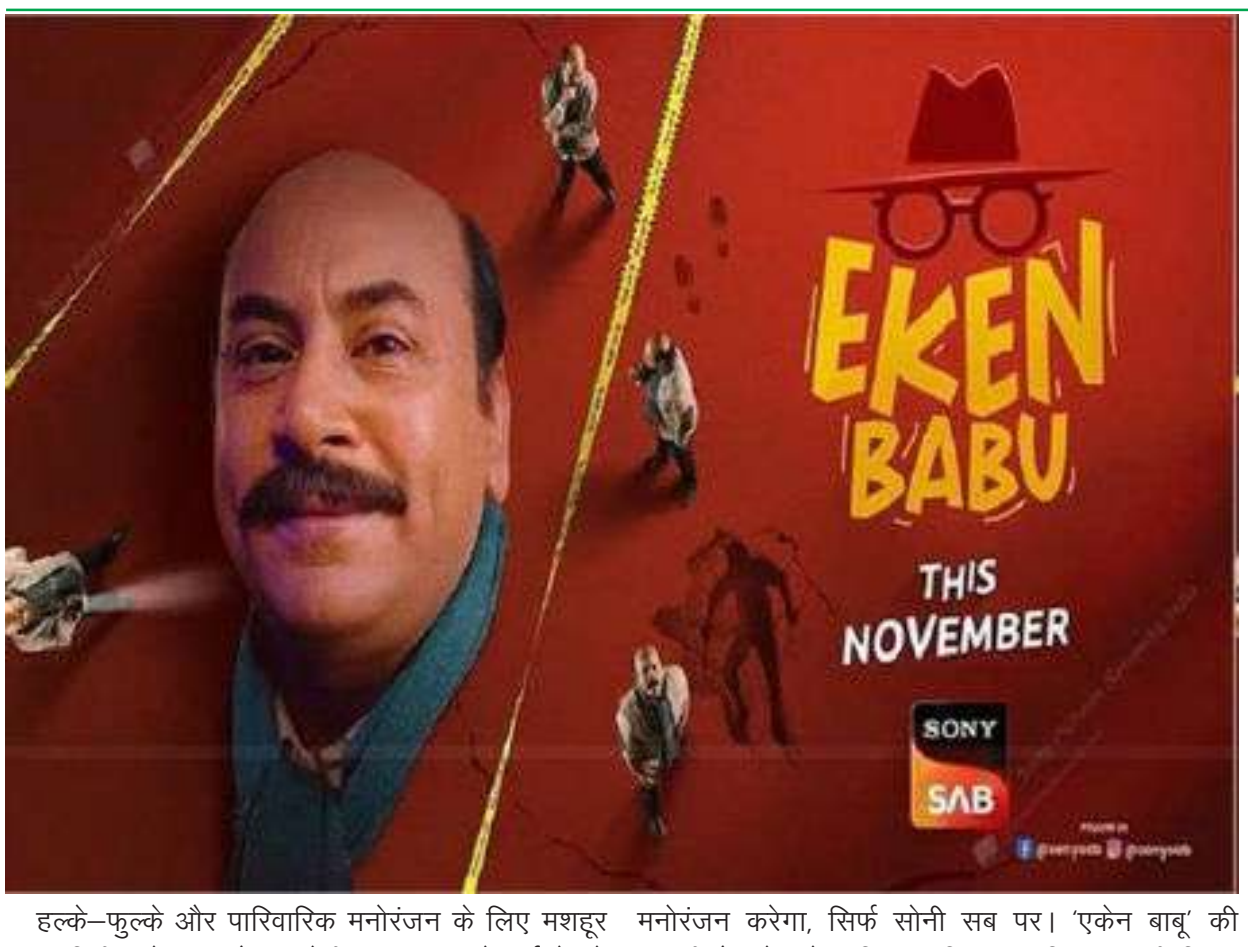

सोनी सब लेकर आ रहा है लोकप्रिय बंगाली जासूसी कॉमेडी 'एकेन बाबू' का हिंदी वर्जन

हल्के–फुल्के और पारिवारिक मनोरंजन के लिए मशहूर प्रमुख हिंदी मनोरंजन चौनल सोनी सब अब अपने दर्शकों को ले जा रहा है एक अनोखी और दिलचस्प 'एकेन बाबू' की दुनिया में। आठ सफल वेब सीजन और तीन हिट फिल्मों के बाद, यह लोकप्रिय बंगाली जासूसी कॉमेडी अब अपने हिंदी डब संस्करण के साथ टेलीविजन पर दस्तक दे रही है। अपने अनोखे हास्य, बुद्धिमत्ता और मजेदार रहस्य–सुलझाने की शैली के साथ 'एकेन बाबू' अब देशभर के दर्शकों का मनोरंजन करेगा, सिर्फ सोनी सब पर। 'एकेन बाबू' की कहानी है एकेंद्र सेन (जिनका किरदार प्रसिद्ध बंगाली फिल्म अभिनेता अनिर्बाण चक्रवर्ती निभा रहे हैं) की जिन्हें प्यार से एकेन बाबू कहा जाता है। वे एक अजीबोगरीब, मूडी और खाने के बेहद शौकीन जासूस हैं, जिनकी सरलता और विचित्र आदतें अपराधियों और साथियों कृ दोनों को ही चौंका देती हैं। यह शो पारंपरिक गंभीर क्राइम ड्रामाओं से बिल्कुल अलग है, जो दर्शकों को एक हल्का–फुल्का, मनोरंजक और दिलचस्प जासूसी अनुभव देता है कृ यह साबित करते हुए कि एक आम आदमी भी असाधारण रहस्यों को सुलझा सकता है। अपना उत्साह साझा करते हुए एकेन बाबू की भूमिका निभा रहे अभिनेता अनिर्बाण चक्रवर्ती ने कहा कृ ”एकेन बाबू बनना मेरे कॅरियर की सबसे आनंददायक यात्राओं में से एक रहा है। इन वर्षों में मुझे उनके हर पहलू को जीने का मौका मिला उनकी अनोखी आदतें, खाने के प्रति प्रेम, और रहस्यों को सुलझाने का उनका सरल लेकिन शानदार तरीका। एकेन बाबू की सबसे खास बात यह है कि वह किसी भी पारंपरिक जासूस की तरह नहीं हैं कृ वह आम इंसान की तरह हैं, मजेदार हैं, कभी–कभी थोड़े आलसी, लेकिन हमेशा अपने ढंग से बेहद चतुर। मुझे बेहद खुशी है कि सोनी सब उन्हें इतना बड़ा मंच दे रहा है ताकि भारतभर के दर्शक उनकी हास्यभरी और रोमांचक कहानियों का आनंद उठा सकें। तैयार हो जाइए, 'एकेन बाबू' के साथ उनके अनोखे रोमांचक सफर पर निकलने के लिए सिर्फ सोनी सब पर!

पीरियड क्रैंप्स से राहत और स्किन के लिए बेहतरीन, जानें यह खास नुस्खा!

महिलाओं के लिए पीरियड्स के दौरान होने वाला दर्द और बेजान त्वचा अक्सर परेशान करने वाले मुद्दे होते हैं। अगर इन दोनों समस्याओं का समाधान एक साथ हो जाए, तो यह जीवन को काफी आसान बना सकता है। एक प्रभावी घरेलू उपाय के रूप में, कद्दू के बीज, काले तिल और सूरजमुखी के बीज का मिश्रण शहद के साथ न केवल पीरियड क्रैंप्स को कम करता है, बल्कि त्वचा को भी निखारता है।

सामग्री

शहदः 1 चम्मच

कद्दू के बीजः 1 चम्मच

काले तिल के बीजः 1 चम्मच

सूरजमुखी के बीजः 1 चम्मच

उपाय बनाने और सेवन करने का तरीका

इन सभी बीजों को एक साथ मिलाकर और शहद के साथ सेवन करना एक प्रभावी उपाय है। इसके लिए 1 चम्मच कद्दू के बीज, 1 चम्मच काले तिल के बीज, 1 चम्मच सूरजमुखी के बीज और 1 चम्मच शहद को एक कटोरी में डालें और अच्छी तरह मिलाएं। यह मिश्रण न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि आपकी सेहत के लिए भी फायदेमंद है। इसे सुबह या शाम नाश्ते के रूप में या खाने के बाद हेल्दी स्नैक के रूप में लिया जा सकता है। नियमित रूप से इसे सेवन करने से पीरियड क्रैंप्स में राहत और त्वचा की चमक में सुधार हो सकता है।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज मैग्नीशियम और जिंक से भरपूर होते हैं, जो हार्मोन को संतुलित करने में मदद करते हैं। ये पीएमएस (प्री–मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम) जैसे लक्षणों को कम कर सकते हैं, जिससे पीरियड क्रैंप्स में राहत मिलती है।

काले तिल के बीज

काले तिल के बीज में हेल्दी फैट्स और विटामिन होते हैं, जो त्वचा की लोच और हाइड्रेशन बढ़ाते हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, जो त्वचा की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को कम करने में मदद करते हैं।

सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के बीज में भी मैग्नीशियम, विटामिन ई, और सेलेनियम होते हैं, जो हार्मोन को संतुलित करने और ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने में मदद करते हैं। ये बीज आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद होते हैं।

शहद

शहद सिर्फ आपके मिश्रण को मिठा नहीं बनाता, बल्कि यह एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–बैक्टीरियल गुणों से भी भरपूर होता है, जो आपके ओवरऑल हेल्थ को सपोर्ट करता है। यह तनाव हार्मोन यानी कोर्टिसोल को नियंत्रित रखने में भी मदद करता है।

सुझाव

पानी का सेवन बढ़ाएं

उचित हाइड्रेशन आपके शरीर में विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करता है और त्वचा को निखारता है। दिन में कम से कम 8–10 गिलास पानी पीने की कोशिश करें। यह न केवल किडनी के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, बल्कि यह शरीर में ऊर्जा के स्तर को भी बनाए रखता है। हाइड्रेटेड रहने से शरीर के अंगों की कार्यक्षमता बढ़ती है, जिससे त्वचा पर निखार आता है और डिहाइड्रेशन के कारण होने वाली समस्याएं कम होती हैं।

विटामिन और मिनरल्स

संतुलित आहार में फलों और सब्जियों को शामिल करें, जो आपकी त्वचा और हार्मोनल संतुलन के लिए लाभदायक होते हैं। फलों और सब्जियों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, जैसे कि विटामिन सी और ई, त्वचा की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियाँ और मौसमी फल आपके शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करते हैं और मेटाबॉलिज्म को सुधारते हैं, जिससे आपको अंदर से स्वस्थ महसूस होता है।

योग और व्यायाम

नियमित योग और व्यायाम पीरियड क्रैंप्स को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। व्यायाम से रक्त संचार बढ़ता है, जिससे मांसपेशियों में ऑक्सीजन की आपूर्ति बेहतर होती है और दर्द में राहत मिलती है। योग के कुछ आसन, जैसे कि बालासन और सुप्त बद्धकोणासन, विशेष रूप से पीरियड्स के दौरान राहत प्रदान करने में सहायक होते हैं। मानसिक तनाव कम करने के लिए ध्यान और श्वास नियंत्रण के अभ्यास भी बेहद फायदेमंद होते हैं।

नींद

पर्याप्त नींद लेना शरीर के तनाव को कम करता है और त्वचा की सेहत को भी बढ़ावा देता है। जब आप अच्छी नींद लेते हैं, तो शरीर खुद को फिर से चार्ज करता है, जिससे आप तरोताजा और ऊर्जावान महसूस करते हैं। नींद की कमी से हार्मोनल असंतुलन हो सकता है, जो पीरियड्स के दर्द को बढ़ा सकता है। अच्छी नींद पाने के लिए एक नियमित सोने का समय निर्धारित करें और सोने से पहले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग कम करें। नींद के दौरान शरीर डिटॉक्सिफिकेशन प्रक्रिया भी करता है, जो आपकी त्वचा को प्राकृतिक रूप से निखारता है।

नाश्ते में मैगी खा लें लेकिन भूलकर भी ये न खाए, जानें क्यों ?

सुबह का नाश्ता हमारे दिन की शुरुआत को संवारने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन इसे सेहतमंद बनाए रखना बेहद जरूरी है। अगर आप सोच रहे हैं कि क्या सुबह छोले भटूरे जैसे तले–भुने खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए, तो आपको फिर से सोचना होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नाश्ता आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है और इससे कई गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए, आज हम जानेंगे कि क्यों छोले भटूरे से बचना चाहिए और कौन से पौष्टिक विकल्प आपके नाश्ते को न केवल स्वादिष्ट, बल्कि सेहतमंद भी बना सकते हैं। सही नाश्ते का चयन करके आप अपनी ऊर्जा को बढ़ा सकते हैं और पूरे दिन सक्रिय रह सकते हैं। चलिए, एक नजर डालते हैं कुछ बेहतरीन और स्वस्थ नाश्तों पर!

छोले भटूरे का स्वास्थ्य पर प्रभाव

छोले भटूरे एक लोकप्रिय भारतीय व्यंजन है, लेकिन यह सुबह के नाश्ते के लिए सही विकल्प नहीं है। इसकी तली हुई विशेषता और इसमें उच्च मात्रा में तेल और वसा होती है, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इससे पेट खराब होने, मोटापा बढ़ने, और हड्डियों के कमजोर होने का खतरा बढ़ सकता है। इसके अतिरिक्त, मैदा की वजह से फूड एलर्जी और इम्यून सिस्टम कमजोर होने की संभावनाएं भी बढ़ जाती हैं।

बेहतर नाश्ते

मैगी

डॉक्टर ने मैगी को एक आसान विकल्प बताया है, लेकिन इसके पोषण संबंधी तत्वों की कमी इसे स्वस्थ नाश्ते का विकल्प नहीं बनाती। इसमें अधिकतर कार्बोहाइड्रेट होते हैं और फाइबर की कमी होती है, इसलिए इसे सिर्फ मजबूरी में ही खाना चाहिए। यदि कभी इसका सेवन करें, तो कोशिश करें कि इसे सब्जियों के साथ मिलाकर बनाएं, ताकि इसमें थोड़ा पोषण जोड़ सकें।

डोसा

डोसा एक स्टीम्ड और हेल्दी विकल्प है जो ना केवल आसानी से पच जाता है, बल्कि इसमें फाइबर और प्रोटीन भी होते हैं। इसे रोजाना नाश्ते में शामिल किया जा सकता है, और यह ताजगी और ऊर्जा प्रदान करता है। इसे सांबर या चटनी के साथ खाना एक संतुलित नाश्ता बनाता है, जो आपके दिन की शुरुआत को स्वस्थ बनाता है।

इडली

इडली भी एक स्टीम्ड और स्वास्थ्यवर्धक नाश्ता है, जो चावल और दाल से बना होता है। यह न केवल ऊर्जा प्रदान करता है, बल्कि वजन को नियंत्रित रखने में भी मदद करता है। इडली के साथ चटनी या सांबर का सेवन करना इसे और भी स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाता है, और यह जल्दी पचने वाला होता है।

ब्रेड ऑमलेट

अंडा प्रोटीन का अच्छा स्रोत है, और ब्रेड ऑमलेट इसे और भी बेहतर बनाता है। इसे नियमित रूप से खाने से शरीर को आवश्यक पोषण मिलता है और यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करता है। इसमें आप अपनी पसंद के सब्जियां भी डाल सकते हैं, जिससे यह और भी पौष्टिक बन जाता है।

आलू पराठा

आलू पराठा को दही के साथ खाना न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि यह प्रोटीन और कैल्शियम का अच्छा स्रोत भी है। पराठे में देसी घी का प्रयोग करना इसे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद बनाता है, क्योंकि यह अच्छे फैट का स्रोत है। इसे सब्जियों या चटनी के साथ खाकर एक संतुलित नाश्ता बनाया जा सकता है।

पोहा

पोहा चावल से बना होता है और यह हल्का और सस्ता नाश्ता है। अगर इसमें सब्जियों को मिलाकर बनाया जाए, तो यह एक संतुलित भोजन बन जाता है। पोहा जल्दी पकता है और इसे आसानी से तैयार किया जा सकता है, जिससे यह सुबह के व्यस्त समय में एक उत्कृष्ट विकल्प बनता है। इसके सेवन से आपको लंबे समय तक भूख नहीं लगती और यह वजन नियंत्रण में मदद करता है। छोले भटूरे से दूर रहकर और उपर्युक्त विकल्पों का चयन करके आप न केवल अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि दिन की शुरुआत भी एक हेल्दी नोट पर कर सकते हैं। डॉक्टर रवि के गुप्ता की सलाह का पालन करें और नाश्ते में स्वास्थ्यवर्धक चीजों का समावेश करें ताकि आप स्वस्थ और सक्रिय रहें।

लंबे-घने बालों के लिए फॉलो करें ये सिंपल टिप्स, महीने भर में दिखेगा असर

हर लड़की की चाहत होती है कि उसके बाल लंबे, घने और शाइनी हों। जिसके लिए वह काफी महंगे–महंगे हेयर प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करें। ऐसे में अगर आप भी अपने बालों को लंबा और घना बनाना चाहते हैं। तो आपको अपने हेयर केयर रूटीन में शामिल कुछ टिप्स रेगुलरली फॉलो करना चाहिए। क्योंकि अगर आप हेल्दी हेयर केयर रूटीन फॉलो नहीं करती हैं, तो इससे बालों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। कई बार पोषण की कमी होने का असर भी हमारे बालों पर नजर आता है, ऐसे में आप छोटे–छोटे टिप्स फॉलो कर आप अपने बालों को हेल्दी बना सकते हैं।

तो आइए जानते हैं इन हेयर केयर टिप्स के बारे में...

ट्रिमिंग है जरूरी

लंबे और घने बालों के लिए इनकी ट्रिमिंग कराना बेहद जरूरी है। ट्रिमिंग की सहायता से दो–मुंहे बाल रिमूव हो जाएंगे। दो मुंहे बाल ग्रोथ में बाधा बन सकते हैं। इसके साथ ही ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने और हेयर हेल्थ को इम्प्रूव करने के लिए रोजाना लकड़ी की कंघी से अपने बालों को सुलझाएं।

हेयर वॉश

बता दें कि दादी–नानी के समय से बाल धोने से पहले बालों और स्कैल्प पर तेल से मसाज की जाती है। अगर आप बाल धोने से एक रात पहले या फिर 2–3 घंटे पहले सिर में तेल अप्लाई करते हैं, तो आपको कुछ हफ्तों से इसके रिजल्ट्स दिखाई देंगे। वहीं सप्ताह में दो बार माइल्ड शैंपू से हेयर वॉश करें। वरना आपके बालों संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

डाइट पर करें फोकस

बालों को घना और लंबा बनाने के लिए आपको अपनी डाइट पर फोकस करना भी बेहद जरूरी है। आपकी डाइट में प्रोटीन, फाइबर, फैट्स, कार्बोहाइड्रेट्स, विटामिन्स और मिनरल्स जैसे तत्व संतुलित मात्रा में होने चाहिए। वहीं बालों को हार्ष केमिकल प्रोडक्ट्स, तेज धूप, ड्रायर, स्टेटनर्स और कर्लर्स जैसे टूल्स से दूर रखना चाहिए। अगर आप ऊपर बताए गए टिप्स को फॉलो करेंगे तो आपको महज कुछ हफ्तों के अंदर मनचाहे परिणाम देखने को मिलेंगे।

किडनी को करें डिटॉक्स, डाइट में जोड़ें ये 5 बेहतरीन ड्रिंक्स!

किडनी हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो रक्त से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करती है। सही ड्रिंक्स का सेवन करके आप अपनी किडनी के स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। यहां हम आपको पांच ऐसे ड्रिंक्स के बारे में बता रहे हैं, जो किडनी को डिटॉक्स करने में मददगार साबित हो सकते हैं।

नींबू पानी

सुबह की शुरुआत 2 गिलास गुनगुने पानी में 1 नींबू मिलाकर करने से किडनी के स्वास्थ्य में सुधार होता है। नींबू में मौजूद सिट्रिक एसिड किडनी में पथरी बनने से रोकता है और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक होता है।

पाइनएप्पल जूस

दिन में एक गिलास ताजा अनानास का जूस पीना किडनी के लिए बेहद फायदेमंद है। अनानास का जूस शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और किडनी को साफ करने में मदद करता है। आप इसमें पुदीना के पत्ते मिलाकर भी एक पौष्टिक जूस बना सकते हैं।

पपीते और मौसंबी का जूस

पपीता और मौसंबी दोनों ही किडनी के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। पपीते में पपैन नामक एंजाइम होता है, जो किडनी की सफाई में सहायक है, जबकि मौसंबी में विटामिन–सी होता है, जो किडनी के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। इन दोनों का जूस पीने से किडनी की पथरी और अन्य समस्याओं से बचाव हो सकता है।

अदरक और नींबू की चाय

अदरक और नींबू दोनों ही किडनी के लिए फायदेमंद होते हैं। अदरक किडनी की सूजन कम करता है और नींबू किडनी को साफ रखता है। इसे बनाने के लिए 1 कप पानी उबालें, उसमें 1 इंच अदरक और आधा नींबू का रस मिलाकर पिएं।

पानी

किडनी के लिए सबसे महत्वपूर्ण ड्रिंक पानी है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से किडनी की क्लीनिंग होती रहती है और किडनी के टॉक्सिन्स भी फ्लश आउट होते हैं। इसलिए, दिन में कम से कम 8 से 10 गिलास पानी पीने की कोशिश करें। इन ड्रिंक्स को अपनी डाइट में शामिल करके आप अपनी किडनी के स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। नियमित रूप से इनका सेवन करने से आपकी किडनी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में सक्षम रहेगी, और आप स्वस्थ महसूस करेंगे। किडनी के स्वास्थ्य का ख्याल रखना न केवल आपकी किडनी के लिए बल्कि आपके समग्र स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है।

संक्षिप्त

सुप्रीम कोर्ट के AGR फैसले से वोडाफोन आइडिया के शेयरों में 14% की उछाल

सोमवार को वोडाफोन आइडिया के शेयरों में जोरदार उछाल देखने को मिला है। कंपनी के शेयरों में करीब 14: तक की बढ़त दर्ज की गई, जो अप्रैल 2024 के बाद से सबसे बड़ा एकदिवसीय उछाल है। यह बढ़त सुप्रीम कोर्ट द्वारा समायोजित सकल राजस्व (।ळत्) बकाया को लेकर दी गई अहम स्पष्टता के बाद दर्ज की गई हैं। बता दें कि वोडाफोन आइडिया ने कोर्ट से अतिरिक्त ।ळत् बकाया के साथ–साथ लंबित बकाया की पुनर्मूल्यांकन को लेकर भी राहत की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया है कि केंद्र सरकार दोनों तरह की राहतों पर विचार करने के लिए स्वतंत्र है। इससे पहले 27 अक्टूबर की सुनवाई में यह साफ नहीं थी कि अदालत का आदेश केवल 9,500 करोड़ रुपये के अतिरिक्त ।ळत् बकाया पर लागू होता है या कुल लंबित 80,000 करोड़ रुपये के बकाया पर भी। गौरतलब है कि पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी कहा था कि केंद्र के पास कंपनी में हिस्सेदारी होने और 20 करोड़ उपभोक्ताओं पर संभावित असर को देखते हुए, सरकार इस मुद्दे पर पुनर्विचार कर सकती है। मौजूदा जानकारी के अनुसार, वोडाफोन आइडिया के शेयर अब 13.1: की बढ़त के साथ 9.87 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा, इस सकारात्मक संकेत के चलते भारती एयरटेल के शेयरों में भी 1: की मजबूती आई है, जबकि भारती हेक्साकॉम के शेयरों में दिन के निचले स्तर से सुधार दर्ज किया गया है। वहीं, इंडस टावर्स के शेयरों में भी 5: की तेजी आई है, जिसे वोडाफोन आइडिया को राहत मिलने पर संभावित बड़ा लाभार्थी माना जा रहा है। बाजार विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर सरकार ।ळत् मामले में कोई बड़ी राहत प्रदान करती है, तो इससे कंपनी को वित्तीय स्थिरता मिल सकती है, साथ ही दूरसंचार क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा भी बरकरार रह सकती है।

लाल निशान पर बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार, सेंसेक्स 519 अंक टूटा, निफ्टी 25600 के नीचे

नई दिल्ली। विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और एशियाई व यूरोपीय बाजारों में कमजोर रुख के बीच मंगलवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 519.24 अंक या 0.62 प्रतिशत गिरकर 83,459.15 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 565.72 अंक या 0.67 प्रतिशत गिरकर 83,412.77 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 165.70 अंक या 0.64 प्रतिशत गिरकर 25,597.65 अंक पर बंद हुआ। विदेशों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण मंगलवार को रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर से उबरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे की बढ़त के साथ 88.66 (अनंतिम) पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड, इटर्नल, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, मारुति और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख रूप से पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं, टाइटन, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारतीय स्टेट बैंक को लाभ हुआ। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। सोमवार को यूरोप के बाजार नकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे, जबकि अमेरिकी बाजार अधिकतर बढ़त के साथ बंद हुए।

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.34 प्रतिशत घटकर 64.02 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,883.78 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले कारोबार में 3,516.36 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सोमवार को सेंसेक्स 39.78 अंक या 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 83,978.49 पर बंद हुआ। निफ्टी 41.25 अंक या 0.16 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 25,763.35 पर बंद हुआ।

कम कीमतों से जूझ रहा स्टील सेक्टर; 150 यूनिट्स ने बंद किया उत्पादन, सरकार के विस्तार लक्ष्य पर खतरा

नई दिल्ली। स्टील की कम कीमतें छोटी कंपनियों के लिए समस्या बन सकती हैं। इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक ने यह संभावना जताई। उन्होंने कहा कि कम कीमतों के कारण करीब 150 छोटे स्टील उत्पादकों ने उत्पादन बंद कर दिया है। स्टील समिट 2025 को संबोधित करते हुए पौंड्रिक ने बताया कि पांच साल पहले स्टील की कीमतें जरूरत से अधिक थीं, लेकिन आज ये जरूरत से कम स्तर पर हैं, जिससे बाजार में असंतुलन पैदा हो गया है। पौंड्रिक ने कहा कि छोटे उद्योगों के लिए मौजूदा कीमतें एक बड़ी चुनौती बन गई हैं, खासकर ऐसे समय में जब सरकार अगले पांच से सात वर्षों में स्टील क्षेत्र की क्षमता बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। आपने अभी सभी कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे देखे हैं, लगभग सभी के मुनाफे में कमी आई है। लेकिन कीमत एक समस्या है, खासकर तब जब हमें अगले पांच से सात वर्षों में 100 मिलियन टन क्षमता में निवेश करने की जरूरत है। सचिव ने यह भी बताया कि विश्वभर में, विशेषकर चीन में, अधिशेष उत्पादन और उसके परिणामस्वरूप डंपिंग एक वास्तविक समस्या है, न केवल हमारे लिए, बल्कि प्रत्येक देश के लिए। पौंड्रिक ने कहा कि सरकार ने आयातित स्टील पर अस्थायी रूप से सुरक्षा शुल्क लगाया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि घरेलू स्टील उद्योग को किसी समस्या का सामना न करना पड़े। अच्छी खबर यह है कि स्टील की खपत बढ़ रही है, क्षमता बढ़ रही है। बढ़ती खपत को पूरा करने के लिए पिछले 10 वर्षों में नई क्षमताएं विकसित की जा रही हैं। सचिव ने कहा कि देश की दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता के लिए स्टील उद्योग को संरक्षित करने की आवश्यकता है। यह एक रणनीतिक क्षेत्र है, इस अर्थ में कि अगर आप आयात पर निर्भर हो जाते हैं, तो आपको भू–राजनीतिक कारणों से समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जैसा कि हम आज विश्व में देख रहे हैं।

जिस बीबीएल में खेलने के लिए अश्विन ने आईपीएल से हुए रिटायर, अब उस टूर्नामेंट से भी बाहर हुए

सिडनी। भारत के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को घुटने की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया की टी20 लीग बिग बैश लीग (BBL15) से बाहर होना पड़ा है। अश्विन इस सीजन में सिडनी थंडर की ओर से खेलने वाले थे, लेकिन चोट के कारण अब वे पूरा टूर्नामेंट नहीं खेल पाएंगे। बीबीएल का 15वां संस्करण 14 दिसंबर से शुरू होगा। अश्विन का यह डेब्यू काफी चर्चित माना जा रहा था क्योंकि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद पहली बार विदेशी टी20 लीग में उतरने की योजना बनाई थी। इसके लिए उन्होंने आईपीएल से भी संन्यास ले लिया था।

अश्विन ने इंस्टाग्राम पर दी जानकारी

अश्विन ने अपनी चोट की पुष्टि करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, श्चेन्नई में अभ्यास के दौरान मेरे घुटने में चोट लग गई। सर्जरी के बाद पता चला कि मैं पूरे बीबीएल सीजन से बाहर रहूंगा। यह कहना मेरे लिए बहुत कठिन है क्योंकि मैं इस टीम का हिस्सा बनने को लेकर बेहद उत्साहित था। उन्होंने आगे लिखा, फिलहाल मेरा पूरा ध्यान रिहैबिलिटेशन और रिकवरी पर है ताकि मैं पहले से भी मजबूत होकर लौट सकूं। सिडनी थंडर क्लब, कोच, और सभी लोगों ने मुझे शुरुआत से ही बहुत अपनापन दिया। आप सभी का धन्यवाद।

हॉन्गकॉन्ग सिक्सेज से भी बाहर

घुटने की चोट के चलते अश्विन न सिर्फ बीबीएल15 से बल्कि हॉन्गकॉन्ग सिक्सेज (सात से नौ नवंबर) टूर्नामेंट से भी बाहर हो गए हैं। यह टूर्नामेंट सात से नौ नवंबर के बीच खेला जाना है। उनकी जगह रॉबिन उथप्पा को टीम में शामिल किया गया है। इतना ही नहीं, अश्विन को आईएल टी20 में कोई खरीददार नहीं मिला था, जिसकी वजह से उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस लिया था।

अश्विन की वापसी की उम्मीद कायम

अश्विन ने यह भी संकेत दिया कि यदि उनकी रिकवरी और ट्रैवल शेड्यूल अनुमति देता है, तो वे सीजन के अंत में सिडनी थंडर के खिलाड़ियों से मिलने और टीम का हौसला बढ़ाने ऑस्ट्रेलिया जा सकते हैं। उन्होंने कहा, श्अगर डॉक्टरों की अनुमति मिली और समय ने साथ दिया, तो मैं इस सीजन के अंत में टीम से मिलने जरूर जाऊंगा। कोई वादा नहीं, लेकिन इरादा यही है।श

थंडर प्रबंधन ने जताया अफसोस

सिडनी थंडर के जनरल मैनेजर ट्रेंट कोपलैंड ने कहा कि टीम को इस खबर से बड़ा झटका लगा है। उन्होंने कहा, श्हम सभी अश्विन की चोट की खबर सुनकर दुखी हैं। वे जबसे हमसे जुड़े थे, उनका जोश और समर्पण अद्भुत था। हम उनकी जल्दी स्वस्थ होने की कामना करते हैं और उम्मीद है कि वे भविष्य में थंडर के साथ लंबे समय तक जुड़े रहेंगे। कोपलैंड ने आगे कहा कि भले ही यह झटका है, लेकिन टीम में डेविड वॉर्नर, कैमरून बैनक्रॉफ्ट, सैम बिलिंग्स, लोकी फर्ग्यूसन, सैम कॉन्सटास और तनवीर सांगा जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, जो टीम को मजबूती देंगे।

अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल से संन्यास के बाद नई राह

अश्विन ने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था और आईपीएल 2025 सीजन के बाद टी20 लीग्स पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया था। उन्होंने बीबीएल, द हंड्रेड (इंग्लैंड) और ै।20 (दक्षिण अफ्रीका) में खेलने की योजना बनाई थी, लेकिन अब उन्हें इस साल का अधिकांश समय रिकवरी में बिताना होगा।

आईसीसी रैंकिंग में स्मृति मंधाना को पीछे छोड़ नंबर-एक बनीं वोल्वार्ट, जेमिमा भी टॉप-10 में शामिल

दुबई। भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में एक पायदान खिसककर दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि जेमिमा रॉड्रिग्स ने नौ स्थानों की छलांग लगाकर शीर्ष 10 में जगह बना ली है। यह अपडेट भारत के ऐतिहासिक विश्व कप खिताब जीतने के बाद जारी हुआ।

वोल्वार्ट बनीं नई नंबर एक बल्लेबाज

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान वोल्वार्ट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंधाना को पीछे छोड़ दिया। वोल्वार्ट ने विश्व कप के सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में शतक जड़े और कुल 571 रन बनाए, जो किसी भी एक विश्व कप संस्करण में सबसे अधिक हैं। उनके इस प्रदर्शन से उन्हें 814 अंक मिले और वे करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गईं।

मंधाना टीम ऑफ द टूर्नामेंट में शामिल

हालांकि मंधाना पूरे टूर्नामेंट के दौरान शीर्ष पर रहीं, लेकिन फाइनल के बाद वे दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। उन्हें आईसीसी टीम ऑफ द टूर्नामेंट में वोल्वार्ट के साथ शामिल किया गया। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार विश्व कप खिताब जीता, जो भारतीय महिला क्रिकेट के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय बन गया।

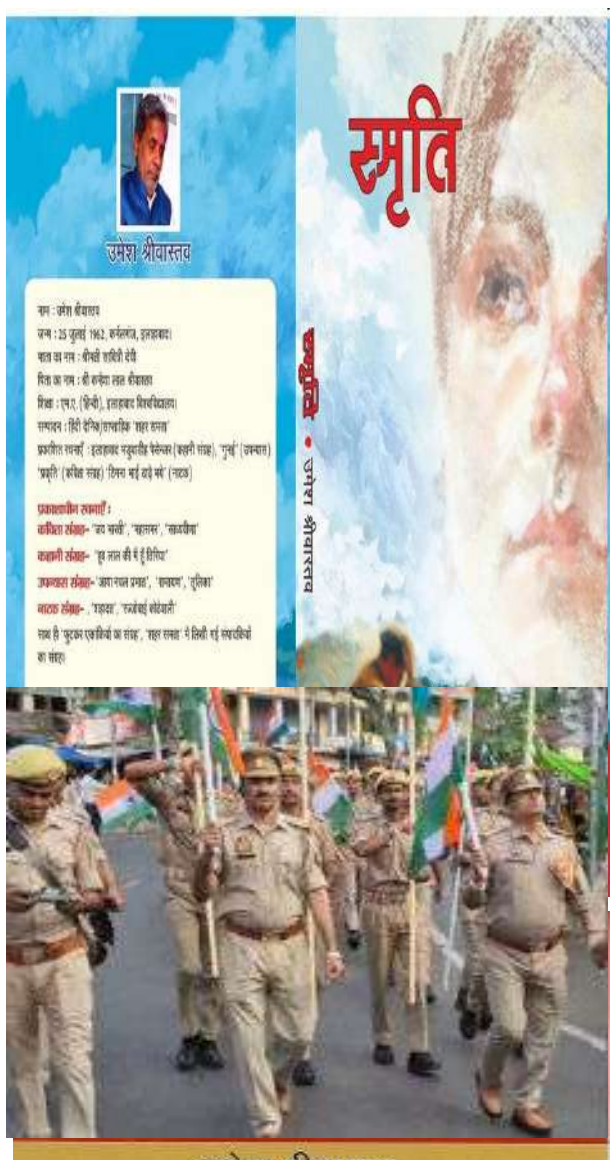

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

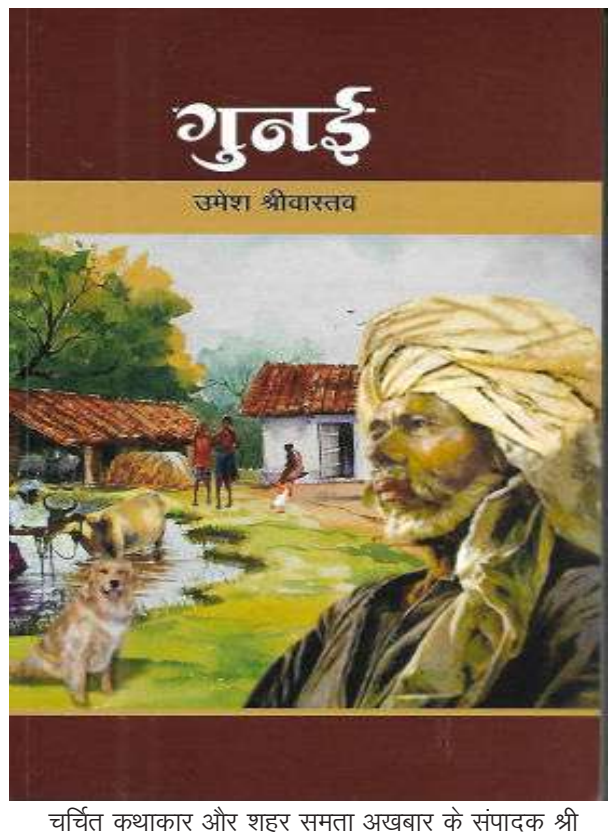

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

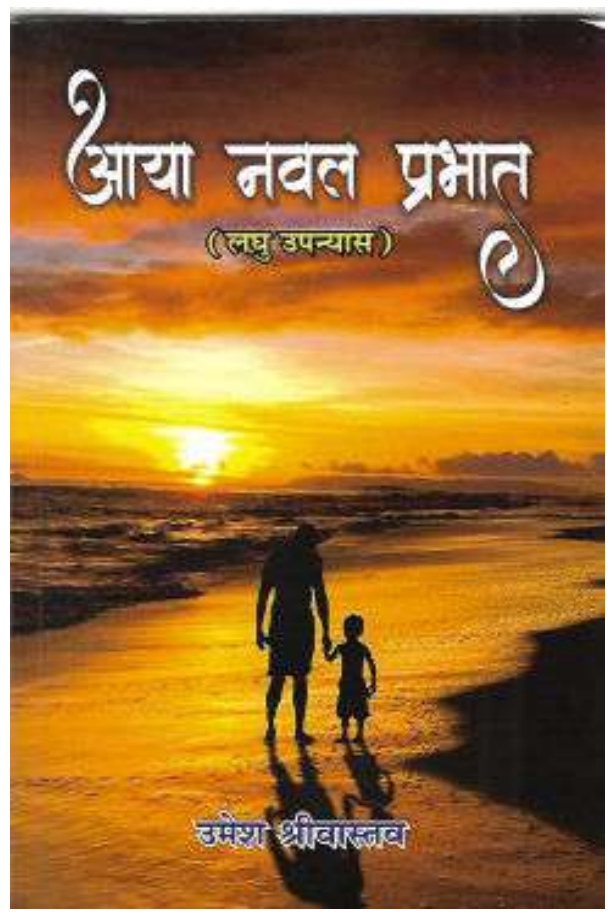

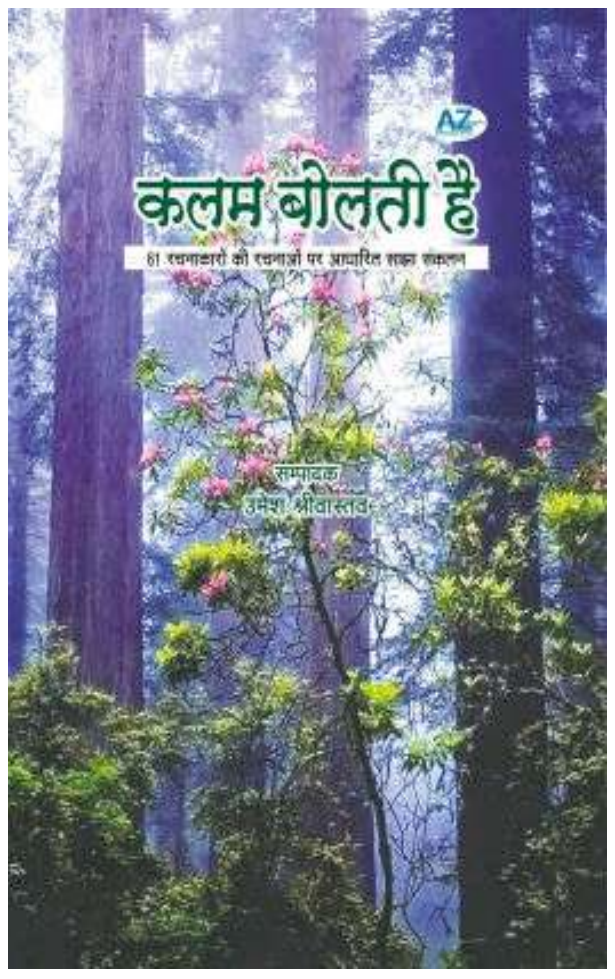

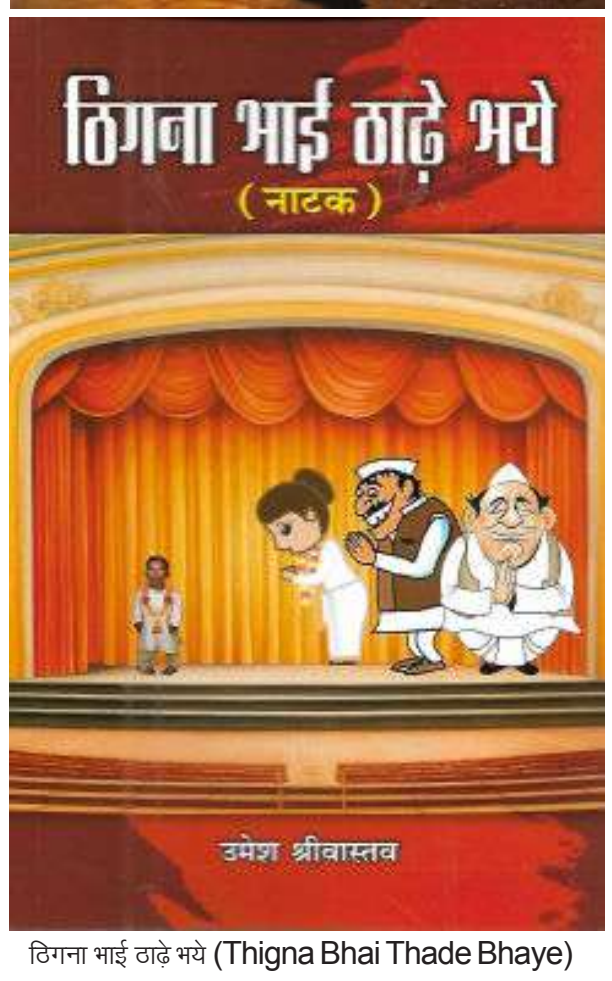

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

लाहौर को उड़ा देगा तालिबान, अफगानिस्तान से आया ऐसा बयान, पाकिस्तानी सेना में मचा हड़कंप

एक चेतावनी जिसने पाकिस्तान की नींव हिला दी है। बता दिया कि पाकिस्तान चाहे जो करे अफगानिस्तान उसकी औकात याद दिलाएगा। औ अफगानिस्तान के पूर्व उपराष्ट्रपति अमरुल्ला साले का बड़ा बयान सामने आ गया है। उन्होंने कहा है कि तालिबान लाहौर में बम धमाका कर सकता है और यह कोई झूठ नहीं है। लेकिन सवाल यहां पर उठता है ना कि क्या तालिबान सच में पाकिस्तान के भीतर हमला करने की योजना बना रहा है और अगर ऐसा होता है यानी कि हां तो क्या ये वही पल है जब पाकिस्तान अपने बनाए आतंक के खेल का शिकार बन जाएगा। चलिए आज की खबर सिर्फ अफगानिस्तान और पाकिस्तान की नहीं रही। यह खबर है उस आग की जिसे दशकों पहले जलाया गया था और आज वो लौ लाहौर की ओर आगे बढ़ने लगी है। दरअसल अमरुल्ला सालेह अफगानिस्तान के वो नेता जो हमेशा से तालिबान के सबसे मुखर आलोचक रहे। अफ़ग़ानिस्तान के पूर्व उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर तालिबान के हालिया बयानों को लेकर चेतावनी जारी की है, जिसमें लाहौर में सफ़ेद झंडा फहराने और इस्लामाबाद में आग लगाने की धमकी दी गई है। उन्होंने ऐसी धमकियों को गंभीरता से लेने का आग्रह किया है। अपने संदेश में सालेह ने ज़ोर देकर कहा कि तालिबान ने पाकिस्तानी क्षेत्र में बम विस्फोट और विस्फोटक हमले करने की खुलेआम बात की है। उनके अनुसार यह कदम महज़ दिखावा मात्र नहीं है। उन्होंने कहा कि तालिबान ने बड़े पैमाने पर शहरी हमले करने में अपनी क्षमता और अनुभव का बार–बार प्रदर्शन किया है। सालेह ने 2017 के काबुल बम विस्फोट का उदाहरण दिया, जिसमें राजधानी के 700 से ज़्यादा निवासी मारे गए या घायल हुए थे। यह घटना अफ़ग़ानिस्तान के हाल के इतिहास की सबसे घातक सुरक्षा घटनाओं में से एक है। उन्होंने आगे कहा कि तालिबान पाकिस्तानी क्षेत्र और स्थानीय संरचनाओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव बनाए हुए है। उन्होंने चेतावनी दी कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी, आईएसआई को यह समझना चाहिए कि उसके कुछ प्रशिक्षित कार्यकर्ता अब कट्टरपंथी और अप्रत्याशित तत्व बन गए हैं। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा संचालित प्रशासन और पाकिस्तानी सरकार के बीच तनाव बढ़ रहा है और क्षेत्रीय अस्थिरता और सुरक्षा खतरों को लेकर चिंताएँ बढ़ रही हैं। एक वक्त था जब वह अफगान खुफिया एजेंसी एनडीएस के प्रमुख थे। उन्होंने तालीबान और पाकिस्तान के बीच के रिश्तों को दुनिया के सामने बेनकाब भी किया था और यह पल था 2021 का। 2021 में जब तालीबान ने काबुल पर कब्जा किया साले पंशीर घाटी चले गए। उन्होंने खुद को कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित किया अफगानिस्तान का और आखिरी सांस तक तालीबान से लड़ने का ऐलान कर दिया। उनके लिए तालीबान सिर्फ एक आतंकी संगठन नहीं बल्कि पाकिस्तान की बनाई एक परियोजना है। और अब जब वो कहते हैं कि तालिबान लाहौर में धमाका करेगा तो यह बयान सिर्फ चेतावनी नहीं बल्कि एक संकेत है कि दक्षिण एशिया का पावर बैलेंस बदल रहा है। हाल ही में अफगान ग्रीन ट्रेंड नाम के एक प्लेटफार्म ने एक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के मुताबिक तालीबान के कुछ धड़ों ने पाकिस्तान के लाहौर शहर में हमले की तैयारी की बात कह दी है और यह काफी बड़ी बात है और फिर साले ने इस रिपोर्ट को शेयर करते हुए लिखा कि यह कोई ब्लफ नहीं है। तालिबान ऐसा कर सकता है। साल 2017 में काबुल में उन्होंने ऐसा किया था जब 700 से ज्यादा लोग मारे गए थे। उन्होंने व्यंग में लिखा कि आईएसआई के प्रशिक्षकों को अब यह देखना चाहिए कि उनका कौन सा चेला भटक गया है। यानी साले ने खुलकर कह दिया है कि पाकिस्तान ने जिस तालिबान को कभी ट्रेनिंग दी थी वही अब पाकिस्तान को उसके ही हथियारों से सबक सिखाने लाहौर की तरफ आ रहा है।

संक्षिप्त

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में बड़ा धमाका, बेसमेंट के ब्लास्ट से ऊपर तक उड़े चीथड़े

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के बेसमेंट में हुए विस्फोट में कम से कम 12 लोग घायल हो गए। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के बेसमेंट कैफेटेरिया में एक गैस सिलेंडर फट गया, जिससे पूरी इमारत हिल गई। इस विस्फोट का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया

है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट की इमारत को मामूली नुकसान हुआ है। बताया जा रहा है कि ज़ोरदार धमाका कोर्ट परिसर की निचली मंजिलों तक गूँज उठा, जिससे इमारत के अंदर दहशत फैल गई। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट के बाद वकीलों और अदालत के कर्मचारियों को इमारत से बाहर निकालकर बाहर खुले क्षेत्रों में ले जाया गया। इस्लामाबाद के महानिरीक्षक अली नासिर रिज़वी ने एक्सप्रेस ट्रिब्यून को बताया कि सुप्रीम कोर्ट कैंटीन में सुबह 10:55 बजे गैस विस्फोट हुआ। उन्होंने बताया कि 12 लोग घायल हुए हैं और उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

बिना जुर्म किये 43 साल जेल में काटकर रिहा हुआ 104 साल का बुजुर्ग, इस भारतीय पर पिघला यूएस कोर्ट का दिल

दो अमेरिकी अदालतों ने सुब्रमण्यम ष्सुबूष वेदम के निर्वासन को रोकने के लिए हस्तक्षेप किया है, जिनकी हत्या के गलत दोषसिद्धि को इस साल की शुरुआत में 43 साल से ज़्यादा जेल में रहने के बाद पलट दिया गया था। एक आव्रजन न्यायाधीश ने वेदम के निर्वासन पर तब तक के लिए रोक लगा दी है जब तक कि आव्रजन अपील बोर्ड (बीआईए) यह तय नहीं कर लेता कि उनके मामले की समीक्षा की जाए या नहीं, इस प्रक्रिया में कई महीने लग सकते हैं। उसी दिन, पेंसिल्वेनिया स्थित अमेरिकी ज़िला न्यायालय ने भी निर्वासन पर अस्थायी रोक लगा दी, हालाँकि बीआईए द्वारा अपील पर विचार किए जाने तक यह मामला स्थगित रह सकता है।

बचपन से ही अमेरिका में जीवन

वेदम सिर्फ़ नौ महीने का था जब वह भारत से अपने माता–पिता के साथ कानूनी तौर पर अमेरिका पहुँचा। वह पेंसिल्वेनिया के स्टेट कॉलेज में पला–बढ़ा, जहाँ उसके पिता पेन स्टेट यूनिवर्सिटी में प्रोफ़ेसर थे। एक कानूनी स्थायी निवासी, वेदम का नागरिकता आवेदन कथित तौर पर 1980 में अपने दोस्त थॉमस किन्सर की हत्या के सिलसिले में 1982 में उसकी गिरफ्तारी से पहले स्वीकार कर लिया गया था। वह किन्सर के साथ देखा गया आखिरी व्यक्ति था और गवाहों या मकसद की कमी के बावजूद, उसे दो बार हत्या का दोषी ठहराया गया था।

नए सबूत सामने आने के बाद दोषसिद्धि रद्द

अगस्त में पेंसिल्वेनिया के एक न्यायाधीश ने वेदम की दोषसिद्धि रद्द कर दी, जब उसके वकीलों ने नए बैलिस्टिक सबूत पेश किए, जिन्हें अभियोजक दशकों पहले उजागर नहीं कर पाए थे। इस फैसले के बाद, वेदम को 3 अक्टूबर को रिहा किया जाना था, लेकिन रिहा होने के बजाय, उसे तुरंत आव्रजन हिरासत में ले लिया गया। उसके परिवार ने एपी को बताया कि अब उसे लुइसियाना के अलेक्जेंड्रिया स्थित एक अल्पकालिक हिरासत केंद्र में रखा गया है, जिसमें निर्वासन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक हवाई पट्टी भी शामिल है। हत्या की दोषसिद्धि रद्द होने के बावजूद, आईसीई वेदम को निर्वासित करने की मांग कर रहा है, क्योंकि उसने एलएसडी वितरण के आरोपों में कोई प्रतिवाद नहीं किया है, जो उस समय के हैं जब वह लगभग 20 साल का था।

हिंदू विरोधी माहौल को बढ़ा रहे वेंस, भारतवंशी सांसद कृष्णमूर्ति ने साधा निशाना

भारतीय–अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के हालिया बयान की निंदा की है। कृष्णमूर्ति ने कहा कि यह निराशाजनक है कि उपराष्ट्रपति अपने बयान से देश में बढ़ते एंटी हिंदू माहौल को और बढ़ावा दे रहे हैं। कृष्णमूर्ति ने कहा कि जब हिंदू और भारतीय–अमेरिकी समुदाय बढ़ते पूर्वाग्रह का सामना कर रहे हैं, तो उपराष्ट्रपति का यह बयान निराशाजनक है। वेंस ने अपनी हिंदू पत्नी उषा वेंस की धार्मिक आस्था पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि वह उम्मीद करते हैं कि उनकी पत्नी चर्च से प्रभावित होंगी। वेंस ने बाद में स्पष्ट किया था कि उनकी पत्नी का धर्म परिवर्तन का कोई इरादा नहीं है। वेंस की यह टिप्पणी पिछले सप्ताह मिसिसिपी विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में आई थी, जब एक दक्षिण एशियाई युवती ने उनसे उनकी आस्था और उषा के साथ उनके अंतर–धार्मिक विवाह के साथ–साथ आव्रजन पर ट्रंप प्रशासन की नीतियों के बारे में सवाल किए थे। उनके प्रश्न का उत्तर देते हुए वेंस ने कहा कि अधिकांश रविवार को उषा उनके साथ चर्च जाती हैं। उन्होंने कहा कि मैंने उससे कहा है, और मैंने सार्वजनिक रूप से कहा है, और मैं अब अपने 10,000 करीबी दोस्तों के सामने भी कहूंगा, क्या मैं आशा करता हूं कि अंततः वह भी उसी तरह प्रभावित होंगी जिस तरह मैं चर्च से प्रभावित हुआ था? हां, मैं ईमानदारी से यही चाहता हूं क्योंकि मैं ईसाई धर्मसिद्धांत में विश्वास करता हूं और मैं आशा करता हूं कि अंततः मेरी पत्नी भी इसे उसी तरह देखेंगी। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन अगर वह ऐसा नहीं करती है, तो ईश्वर कहते हैं कि हर किसी के पास स्वतंत्र इच्छाशक्ति होती है, और इसलिए इससे मुझे कोई समस्या नहीं होती।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

ट्रंप का सनसनीखेज आरोप: पाकिस्तान के गुप्त परमाणु परीक्षण पर अमेरिका भी फिर करेगा टेस्टिंग ?

एक इंटरव्यू के दौरान अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसा दावा किया है, जिसने अंतरराष्ट्रीय हलचल पैदा कर दी है। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान चोरी छिपे परमाणु परीक्षण कर रहा है, और यह सब बिना किसी वैश्विक नज़र के हो रहा है। ट्रंप ने ये बातें ब्ठै न्यूज़ के कार्यक्रम 60 मिनट्स में कही, जहां उन्होंने यह भी जोड़ा कि अमेरिका भी जल्द ही अपने परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने वाला है। बता दें कि अमेरिका ने करीब तीन दशकों से कोई पूर्ण पैमाने का भूमिगत परमाणु परीक्षण नहीं किया है। ट्रंप का कहना है कि पाकिस्तान, उत्तर कोरिया, रूस और चीन जैसे देश गुप्त रूप से परीक्षण करते आ रहे हैं और दुनिया को इसकी भनक तक नहीं लगने दे रहे हैं। गौरतलब है कि ट्रंप ने कहा कि ये देश अंडरग्रांउड टेस्ट कर रहे हैं, जिन्हें न तो सार्वजनिक किया जाता है और न ही मीडिया में चर्चा होती है। मौजूद जानकारी के अनुसार, ट्रंप ने यह तर्क दिया कि अगर दूसरे देश परीक्षण कर रहे हैं तो अमेरिका को पीछे नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि ष्अमेरिका अकेला देश नहीं हो सकता जो परमाणु परीक्षण नहीं करता,ष और ज़ोर दिया कि अन्य देशों की गतिविधियों पर नज़र रखते हुए, अमेरिका को भी अपने परमाणु कार्यक्रम की विश्वसनीयता बनाए रखने की ज़रूरत है। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका के पास ष्किसी भी देश से अधिक परमाणु हथियारष हैं और उनका मानना है कि अगर ज़रूरत पड़ी तो इनका इस्तेमाल भी किया जा सकता है। ट्रंप ने इस बातचीत के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच हुए तनाव पर भी टिप्पणी की। उन्होंने दोबारा दावा किया कि उन्होंने इस साल की शुरुआत में इन दोनों देशों के बीच एक संभावित ष्परमाणु युद्धष टालने में अहम भूमिका निभाई। उनका कहना था कि उन्होंने व्यापार और टैक्स के ज़रिये दबाव बनाया, जिसके चलते दोनों देशों ने तनाव कम किया। हालांकि, भारत की ओर से इस दावे को पहले भी खारिज किया जा चुका है और यह कहा गया है कि किसी थर्ड पार्टी की मध्यस्थता के बिना दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच हुई बातचीत के बाद ही सीज़फायर लागू हुआ था। गौरतलब है कि भारत सरकार ने कई मौकों पर स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान के साथ सभी मुद्दे द्विपक्षीय तरीके से ही सुलझाए जाएंगे और किसी तीसरे देश की दखलअंदाजी स्वीकार्य नहीं होगी। वहीं, ट्रंप के इन नए दावों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में एक बार फिर से यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या अमेरिका वाकई परमाणु परीक्षण की नई दौड़ में शामिल होने जा रहा है और इसका दुनिया के रणनीतिक हालात पर क्या असर पड़ेगा हैं।

1100 सैनिकों की मौत, पाकिस्तान को लेकर ये क्या चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया

पाकिस्तान के लिए मुसीबतें खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही। इस साल पहले भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को पीटा तो उसके बाद वेस्टर्न बॉर्डर्स पर तालीबान की सरकार वाली अफगानिस्तान ने उनका बुरा हाल कर रखा है। इसके बीच पाकिस्तान के अंदर उठ रही बगावत की आवाज ने भी उनकी

कमर तोड़ दी है। इन सबके बीच पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा तंत्र से जुड़ा एक चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है। जिसने बुरे दौर से गुजर रहे पाकिस्तान की पोल खोल दी है। दरअसल साल 2025 पाकिस्तान के लिए सबसे बुरा साल साबित हो रहा है। 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार पाकिस्तान को इतनी भारी क्षति हुई है। खुफ़िया एजेंसियों के ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस साल में जनवरी से लेकर अक्टूबर तक पाकिस्तान के कुल 1100 से ज्यादा सैनिक, पुलिसकर्मी और खुफ़िया अधिकारी मारे गए। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के नुकसान में काफ़ी इज़ाफ़ा किया। 9 और 10 मई के बीच हुए हमलों में एक बड़े मोर्चे को निशाना बनाया गया, जिसमें 11 महत्वपूर्ण वायुसेना ठिकानों और सैन्य ठिकानों के साथ–साथ नियंत्रण रेखा पर 23 ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस ऑपरेशन के परिणामस्वरूप 50 से अधिक पाकिस्तानी सैन्यकर्मी मारे गए तथा कम से कम 35 अन्य घायल हो गए, इसके अतिरिक्त पहले के हमलों में भी हताहतों की सूचना मिली थी। जनवरी से अक्टूबर 2025 तक के आँकड़े बताते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर के अलावा, पाकिस्तान के सुरक्षा प्रतिष्ठान में 195 मौतें हुईं। इन आँकड़ों में सैन्य, पुलिस और खुफ़िया विभाग के सदस्य शामिल थे, जिनमें से 109 कर्मी घायल हुए और 15 अक्टूबर में कार्रवाई में लापता या पठान/तालिबान समूहों द्वारा बंदी बनाए गए। जारी हिंसा के कारण गैर–घातक चोटों में भी वृद्धि हुई है, जिससे चिकित्सा और रसद संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है। मारे गए लोगों में एक पुलिस अधीक्षक, एक लेफ्टिनेंट कर्नल, तीन मेजर, एक जूनियर कमीशंड अधिकारी और एक कैप्टन जैसे आठ अधिकारी शामिल हैं। हाल के हफ़्तों में दर्ज हताहतों में दो एसएसजी कमांडो समेत छह सैनिक भी शामिल हैं। ये नुकसान विभिन्न रैंकों और इकाइयों में महसूस किए गए हैं, जो हिंसा की अंधाधुंध प्रकृति और नेतृत्व तथा अग्रिम पंक्ति के कर्मियों, दोनों के सामने आने वाले जोखिमों को उजागर करते हैं। बढ़ती संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है, अनुमान है कि 2025 के अंत तक सुरक्षा बलों की कुल मौतों की संख्या 1,300 से 1,400 के बीच पहुँच सकती है। यह अनुमान मौजूदा रुझानों और हमलों की लगातार बढ़ती दर पर आधारित है। अगर हिंसा की मौजूदा गति जारी रही, तो अंतिम संख्या इन अनुमानों को भी पार कर सकती है, जिससे 2025 देश की स्थापना के बाद से पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के इतिहास का सबसे ख़तरनाक साल बन जाएगा। तहरीक तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी नाम का आतंकी संगठन अफगानिस्तान से घुसपैठ करता है और पाकिस्तान पर हमले करता है। जनवरी से अक्टूबर तक इन मामलों में 195 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए। अक्टूबर में ही 195 सैनिक मारे गए। 109 घायल हुए हैं और 15 लापता या युद्धबंदी बने हैं। इनमें आठ अधिकारी जो कि एसपी, एक लेफ्टिनेंट कर्नल, तीन मेजर, एक जीसीओ और एक कैप्टन शामिल है। अभी पिछले हफ्ते ही छह सैनिक शहीद हुए जिनमें दो एसएसजी कमांडोज़ थे।

54 साल पुराना रिश्ता... जयशंकर ने अलजायानी से निवेश, रक्षा पर की बात

बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल लतीफ बिन राशिद अलजायनी भारत दौरे पर हैं। दिल्ली में भारत और बहरीन के विदेश मंत्रियों की सह अध्यक्षता के तहत दोनों देशों के बीच साझे हाई जॉइंट कमीशन की बैठक हुई। इस दौरान जारी हुए साझा बयान में दोनों पक्षों ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी भर्त्सना की। क्रॉस बॉर्डर टेररिज्म से लड़ाई को इंटेलीजेंस शेयरिंग, कैपिसिटी बिल्डिंग और साइबर सिक्योरिटी में और सहयोग के जरिए धार देने पर सहमति बनी। दोनों पक्षों ने डिफेंस और सिक्योरिटी में और सहयोग के जरिए धार देने पर सहमति बनी। इस बात पर भी सहमति हुई कि सितंबर में नेवी के तीन जहाजों के बहरीन आने से मेरिटाइम सिक्योरिटी और गहरी हुई है। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय डबल टैक्सेशन अवॉइडेंस अग्रीमेंट में हो रही वार्ताओं में प्रगति को सराहा। दोनों विदेश मंत्रियों ने डिफेंस, सिक्योरिटी, अर्थव्यवस्था, व्यापार, फिनटेक, स्पेस, कल्चर और पीपल टू पीपल संबंधों को लेकर प्रगति को सराहनीय करार दिया। दोनों पक्षों ने माना कि चौथे जॉइंट कमिशन के दौरान व्यापार और निवेश को लेकर बने जॉइंट वर्किंग ग्रुप के अलावा इकॉनमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट की वार्ताएं अहम हैं। इसके साथ जयशंकर ने अगले महीने जीसीसी समिट को लेकर सहयोग की भी बात की। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा है कि हाल के वर्षों में भारत और बहरीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में लगातार वृद्धि देखी गई है। नई दिल्ली में आयोजित पाँचवीं भारत–बहरीन उच्च संयुक्त आयोग की बैठक में अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों ने रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, वाणिज्य, स्वास्थ्य, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय निवेश में उल्लेखनीय प्रगति देखी है। उन्होंने बहरीन के नागरिकों की यात्रा को प्रोत्साहित करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक वीज़ा (ई–वीज़ा) प्रणाली की शुरुआत पर ज़ोर दिया। उन्होंने बहरीन के निवेशकों को देश में निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित भी किया। उन्होंने अगले महीने मनामा में होने वाले खाड़ी सहयोग परिषद के शिखर सम्मेलन में बहरीन द्वारा अध्यक्षता संभालने के लिए अपनी शुभकामनाएँ भी दीं। डॉ. जयशंकर ने कहा कि इस वर्ष सितंबर में तीन भारतीय नौसैनिक जहाजों ने बहरीन का दौरा किया, जिससे द्विपक्षीय मैत्री और क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा के प्रति भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को बल मिला। उन्होंने भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए निरंतर देखभाल और समर्थन के लिए बहरीन साम्राज्य के नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

संकट में भी भारत ने सूडान को दी मानवीय सहायता, राजदूत ने जताया हृदय से आभार

अफ्रीकी देश सूडान में चल रहे गृहयुद्ध में विद्रोही बलों द्वारा ओडिशा के एक भारतीय नागरिक का अपहरण कर लिया गया है और वहां की सरकार उसकी रिहाई के लिए बातचीत कर रही है, सोमवार 3 नवंबर को रिपोर्ट में कहा गया है। भारत में सूडान के राजदूत मोहम्मद अब्दुल्ला अली एल्टॉम ने कहा कि उनका देश ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले के 36 वर्षीय आदर्श बेहरा के रूप में पहचाने गए व्यक्ति की रिहाई को सुरक्षित करने के लिए भारतीय विदेश मंत्रालय के साथ समन्वय कर रहा है, जिसे विद्रोही ने युद्धग्रस्त अल फशीर शहर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) से अगवा कर लिया था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।